E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -131 | प्रयागराज, शुक्रवार 01 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

मालेगांव ब्लास्ट केस- साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपी बरी:कोर्ट ने कहा- धमाका हुआ, लेकिन यह साबित नहीं कि बम मोटरसाइकिल में रखा था

भोपाल। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट केस में एनआईए स्पेशल कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा समेत सातों आरोपियों को बरी कर दिया है। इस केस में 7 मुख्य आरोपी थे। इनमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर चतुर्वेदी, समीर कुलकर्णी और सुधाकर धर द्विवेदी शामिल थे। मालेगांव में 29 सितंबर 2008 को धमाका हुआ था। इसमें 6 लोग मारे गए थे और करीब 100 लोग घायल हुए थे। करीब 17 साल बाद आए फैसले में जज एके लाहोटी ने कहा कि जांच एजेंसी आरोप साबित नहीं कर पाई है, ऐसे में आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए।जज लाहोटी ने कहा कि धमाका हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं हुआ कि बम मोटरसाइकिल में रखा था। यह भी साबित नहीं हुआ कि मोटरसाइकिल साध्वी प्रज्ञा के नाम थी। यह भी साबित नहीं हो सका कि कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बम बनाया।इस केस का फैसला 8 मई 2025 को वाला था, लेकिन फिर कोर्ट ने इसे 31 जुलाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। मालेगांव ब्लास्ट केस की शुरुआती जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। 2011 में केस एनआईए को सौंप दिया गया था। एनआईए ने 2016 में चार्जशीट दाखिल की थी। केस में 3 जांच एजेंसियां और 4 जज बदल चुके हैं। एनआईए कोर्ट पहुंचीं साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा, मैंने शुरू से ही कहा है कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उसके पीछे कोई आधार होना चाहिए। मुझे जांच के लिए बुलाया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। प्रताड़ित किया गया। इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया। मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझे फंसा दिया गया और मुझ पर आरोप लगा दिया गया। प्रज्ञा ने कहा- कोई भी स्वेच्छा से हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जीवित हूं क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं। उन्होंने एक षड्यंत्र के तहत भगवा को बदनाम किया। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है और जो दोषी हैं उन्हें भगवान सजा देंगे। हालांकि, जिन्होंने भारत और भगवा को बदनाम किया, वे आपके द्वारा गलत साबित नहीं हुए हैं।विशेष एनआईए अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामला साबित करने में विफल रहा, आरोपी को संदेह का लाभ मिलना चाहिए। आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा की वकालत नहीं कर सकता। अदालत केवल धारणा और नैतिक सबूतों के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती, इसके लिए ठोस सबूत होने चाहिए।एनआईए कोर्ट ने कहा धमाके के बाद पंचनामा ठीक से नही किया गया, घटनास्थल से फिंगरप्रिंट नहीं किए गए। बाइक का चेसिस नंबर में कभी रिकवर नहीं हुआ। साध्वी प्रज्ञा उस बाइक की मालिक थी, यह सिद्ध नही हो पाया।एनआईए कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन ने ये तो साबित कर दिया कि मालेगांव में धमाका हुआ था, लेकिन वे ये साबित करने में नाकाम रहे कि बाइक में बम प्लांट किया गया। हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि घायल लोगों की संख्या 101 नहीं, बल्कि 95 थी। कुछ मेडिकल सर्टिफिकेट में हेरफेर हुआ।

6 भारतीय कंपनियों पर अमेरिकी एक्शन,कहा- ईरान की तेल कंपनियों से चोरी-छिपे करोड़ों डॉलर का कारोबार किया, ईरान ने इससे आतंकी फंडिंग की

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार देर रात ईरान से प्रतिबंधित रसायन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की खरीद करने वाली 24 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया। इनमें 6 भारतीय कंपनियां भी हैं। इसके अलावा चीन की 7, यूएई की 6, हॉन्गकॉन्ग की 3, तुर्किये और रूस की 1-1 कंपनी भी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबंधों की घोषणा की। मंत्रालय का कहना है कि इन कंपनियों ने 2024 में ईरानी मूल के 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा के उत्पाद यूएई के रास्ते मंगवाए। ईरान इस पैसे न्यूक्लियर प्रोग्राम बढ़ा रहा है और आतंकी फंडिंग कर रहा है। मंत्रालय ने इसे अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया है। ईरान पर 2018 से प्रतिबंध है।किन भारतीय कंपनियों पर कार्रवाई हुई? अलकेमिकल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेडः इस पर सबसे बड़ा आरोप है। कंपनी ने जनवरी से दिसंबर 2024 के बीच 84 मिलियन डॉलर (करीब 700 करोड़ रुपए) से ज्यादा के ईरानी पेट्रोकेमिकल उत्पाद आयात किए। ग्लोबल इंडस्ट्रियल केमिकल्स लिमिटेडः जुलाई 2024 से जनवरी 2025 तक कंपनी ने 51 मिलियन डॉलर (करीब 425 करोड़ रुपए) से ज्यादा के ईरानी मेथनॉल सहित अन्य उत्पाद खरीदे। ज्यूपिटर डाई केम प्राइवेट लिमिटेडः इसी अवधि में इस कंपनी ने टोल्यून समेत ईरानी उत्पादों का करीब 49 मिलियन डॉलर का आयात किया। रमणिकलाल एस. गोसालिया एंड कंपनीः इसने करीब 22 मिलियन डॉलर के पेट्रोकेमिकल्स खरीदे, जिनमें मेथेनॉल और टॉल्युइन शामिल हैं। पर्सिस्टेंट पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेडः अक्टूबर से दिसंबर 2024 के बीच कंपनी ने 14 मिलियन डॉलर का ईरानी मेथेनॉल आयात किया। कंचन पॉलिमर्सः इस पर 1.3 मिलियन डॉलर के ईरानी पॉलीइथिलीन उत्पाद खरीदने का आरोप है। अमेरिका का ईरान पर आतंकी संगठनों की फंडिंग का आरोप- ये प्रतिबंध ईरान पर अमेरिका की मेक्सिम प्रेशर की नीति का हिस्सा हैं। अमेरिका का दावा है कि ईरान अपने तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री से जो आमदनी करता है, उसका इस्तेमाल मध्य पूर्व में अस्थिरता फैलाने और आतंकी संगठनों को समर्थन देने में करता है। अमेरिका ने कहा है कि प्रतिबंधों का मकसद सजा देना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव लाना है। प्रतिबंधित कंपनियां अगर चाहें, तो अमेरिकी ट्रेजरी विभाग से प्रतिबंध हटाने की अर्जी दे सकती हैं। इस कार्रवाई में भारत के अलावा तुर्की, चीन, यूएई और इंडोनेशिया की कुछ कंपनियों को भी निशाना बनाया गया है। अमेरिका के मुताबिक, ये कंपनियां ईरान के तेल व्यापार में सहयोग कर रही थीं।इन कंपनियों की अमेरिका में मौजूद सभी संपत्तियों और अमेरिकी नागरिकों/कंपनियों के साथ इनके लेनदेन को तुरंत फ्रीज कर दिया गया है। कोई अमेरिकी व्यक्ति या कंपनी इन प्रतिबंधित कंपनियों के साथ व्यापार नहीं कर सकती। इसके अलावा, इन कंपनियों की जिन दूसरी कंपनियों में हिस्सेदारी 50फीसदी से अधिक है, वे भी इन प्रतिबंधों के दायरे में आ जाएंगी।अमेरिका ने इस साल दूसरी बार भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इससे पहले इस साल फरवरी में भी उसने भारत की 4 कंपनियों को बैन किया था। इन कंपनियों पर भी ईरानी पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की बिक्री और ट्रांसपोर्ट में मध्यस्थता का आरोप लगाया था। अमेरिका के मुताबिक इन कंपनियों की मदद से ईरान के ऑयल एक्सपोर्ट को अवैध शिपिंग नेटवर्क के जरिए अंजाम दिया जाता है। इन 4 भारतीय कंपनियों में फ्लक्स मैरीटाइम एलएलपी (नवी मुंबई), बीएसएम मैरीन एलएलपी (दिल्ली-एनसीआर), ऑस्टिनशिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड (दिल्ली-एनसीआर) और कॉसमॉस लाइन्स इंक (तंजावुर) शामिल थीं। इन 4 कंपनियों में से 3 पर ईरानी ऑयल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स के ट्रांसपोर्ट में शामिल जहाजों के कॉमर्शियल और टेक्निकल मैनेजमेंट की वजह से बैन लगाया गया। जबकि कॉसमॉस लाइन्स को ईरानी पेट्रोलियम के ट्रांसपोर्ट में शामिल होने की वजह से बैन किया।

ऊर्जा मंत्री के सख्त फरमान-बोले छोटे बकाया पर नहीं कटेंगे कनेक्शन, कुशल संविदा कर्मियों की छंटनी करने वालों पर होगी कार्रवाई

प्रयागराज। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, डिस्कॉम और क्षेत्रीय अधिकारियों को उपभोक्ता संतुष्टि बढ़ाने और बिजली संबंधी सेवाओं को बेहतर बनाने के सख्त निर्देश दिए हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि छोटे बकाया पर अब कनेक्शन नहीं काटे जाएंगे। कुशल संविदा कर्मियों की छंटनी करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होगी। ट्रांसफॉर्मर खराब होने पर तत्काल बदलने की व्यवस्था की जाए। 9 बिंदुओं पर तत्काल अमल करने के दिए निर्देश- छोटे बकाया पर कनेक्शन काटने पर रोक : ऊर्जा मंत्री शर्मा ने कहा कि छोटे-मोटे बकाया होने और उपभोक्ता द्वारा बिल जमा करने की तत्परता दिखाने के बावजूद कनेक्शन काटने की शिकायतें मिल रही हैं। ऐसे कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। पूरे फीडर की बिजली बंद करना गलत- कुछ उपभोक्ताओं के बिल बकाया होने पर पूरे फीडर या गांव की बिजली काटने की प्रथा बंद हो। जो उपभोक्ता समय पर बिल भर रहे हैं, उन्हें परेशान करना अनुचित है। बकायेदारों के खिलाफ अलग से कार्रवाई हो। ट्रांसफॉर्मर बदलने में देरी नहीं : जले हुए ट्रांसफॉर्मर को बदलने या क्षमता वृद्धि में देरी को लेकर सख्ती बरती जाएगी।

ट्रांसफॉर्मर बदलना और राजस्व वसूली अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। बिजली चोरी रोकने के नाम पर ट्रांसफॉर्मर न बदलना उचित नहीं। ओवरलोड और लो वोल्टेज की समस्या का समाधान : फीडर या ट्रांसफॉर्मर के ओवरलोड होने, बार-बार ट्रिपिंग या लो वोल्टेज की समस्या को तत्काल ठीक किया जाए। बिजली चोरी रोकने के लिए अलग से कार्रवाई हो। गलत बिलिंग और भ्रष्टाचार पर लगाम : गलत बिलिंग और कर्मचारियों के भ्रष्टाचार की शिकायतों को गंभीरता से लिया गया है। कंप्यूटर जनित बिलों में त्रुटियों को तुरंत ठीक करने का आदेश है। मेंटेनेंस के नाम पर बार-बार शटडाउन नहीं : रिपेयरिंग या मेंटेनेंस के लिए दिन में बार-बार शटडाउन से उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। मेंटेनेंस सामान्य रोस्टर समय पर हो, अन्यथा दिन में अधिकतम दो बार (सुबह और दोपहर) पूर्व सूचना के साथ शटडाउन लिया जाए। कुशल संविदा कर्मियों की छंटनी पर सवाल : कुशल संविदा कर्मियों को हटाकर अकुशल कर्मियों की भर्ती की शिकायतों की समीक्षा होगी। दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया है।1912 टोल-फ्री नंबर की खामियां दूर करें : 1912 टोल-फ्री नंबर को अधिकारियों के साथ मानवीय संवाद का पूरक बनाया जाए, न कि विकल्प। अधिकारियों को फोन उठाने और शिकायतों का त्वरित निपटारा करने का आदेश दिया है। यूपीपीसीएल और डिस्कॉम स्तर पर डायरेक्टर स्तर के अधिकारियों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जाए।विजिलेंस टीमें छोटी-मोटी चोरी की बजाय संगठित और बड़ी बिजली चोरी पर ध्यान दें। ऊर्जा मंत्री ने चेतावनी दी है कि इन निर्देशों का पालन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

कानपुर में टीचर ने जब्त की चेन, मां की डांट के डर से 6वीं के छात्र ने उठाया खौफनाक कदम

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक खौफनाक घटना सामने आई है। स्कूल में 6वीं क्लास के छात्र से शिक्षिका ने चेन जमा करा ली, तो मां की डांट के डर से घर आकर फांसी लगाकर कर जान दे दी। इकलौते बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सुसाइड की सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गोविंद नगर थाना क्षेत्र स्थित दादा नगर कॉलोनी निवासी ऋषि शर्मा नमकीन बनाने वाली कंपनी में ट्रेडिंग के काम करते हैं। पत्नी पूजा प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती हैं। उनका बेटा स्वास्तिक (11) पास में ही श्रीमुनि इंटर कालेज में 6वीं क्लास का छात्र था। ऋषि के तीन भाई कृष्णा, सागर, सुकांत और उनकी मां दादा नगर कॉलोनी में घर के सामने दूसरे मकान में रहते हैं। सुकांत ने बताया कि स्वास्तिक को स्कूल लेने के लिए रोजाना जाता था।मंगलवार को डेढ़ बजे स्कूल लेने पहुंचे तो टीचर ने शिकायत करते हुए बताया कि स्वास्तिक चांदी की चेन पहन कर स्कूल आया था। स्कूल में चेन निकालकर घूम रहा था। बच्चों की शिकायत पर उसकी चेन जब्त कर ली। उसकी मां के आने पर लौटाने की बात कही। स्वास्तिक से बाइक पर बैठने को कहा तो उसने दोस्तों संग आने की बात कही।

किसान महापंचायत में गूंजे सवाल-अगर फैक्ट्री मालिक की जमीन नहीं ले सकते तो किसान की क्यों? जमीन अधिग्रहण और बिजली निजीकरण पर उठे मुद्दे

प्रयागराज। किसानों की अन्नदाता हुंकार महापंचायत में जमीन अधिग्रहण और बिजली निजीकरण के मुद्दों पर नाराजगी जताई गई। किसानों का कहना है कि 2013 के बाद जमीन के डीसी रेट (जिला कलेक्टर दर) को अद्यतन नहीं किया गया है, जबकि बाजार में सभी चीजें महंगी हो गई हैं। किसान नेताओं ने सवाल उठाया कि 15 साल पुरानी दरों पर जमीन लेकर क्या कोई सांसद, मंत्री, अफसर या कारोबारी अपनी संपत्ति दे देगा? महापंचायत में बिजली के निजीकरण को लेकर भी आक्रोश देखा गया। नेताओं ने आगरा और गौतमबुद्धनगर में टोरेंट पावर की कार्यप्रणाली का उदाहरण देते हुए कहा कि निजी कंपनियों को सौंपे गए बिजली वितरण के हालात सबके सामने हैं। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताते हुए कहा कि स्कूल बंद करके देश नहीं चल सकता। आंदोलनकारी किसानों ने राजनीतिक मुद्दों पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पाकिस्तान और मुसलमान के नाम पर देश को उलझा रही है, जबकि जमीनी मुद्दे गौण कर दिए जा रहे हैं। किसान नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की सुरक्षा का कुछ काम सेना पर भी छोड़ना चाहिए। उनका मानना है कि देश की सुरक्षा राजनीति से नहीं, बल्कि नीति और नीयत से चलती है। महापंचायत में डिंपल यादव के बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर भी नाराजगी व्यक्त की गई। साथ ही धार्मिक नेताओं द्वारा महिलाओं पर की जा रही टिप्पणियों की भी आलोचना की गई। इस महापंचायत के माध्यम से किसानों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वे अब चुप नहीं बैठेंगे। वे अपने अधिकारों के लिए न केवल आवाज उठाएंगे, बल्कि सड़क से लेकर संसद तक अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

प्रयागराज में गंगा-यमुना का रौद्र रूप,दशाश्वमेध घाट से नागवासुकी मंदिर सहित पुलिस चौकी भी डूबी

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। गंगा का जलस्तर 3 सेंटीमीटर और यमुना का 4 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा है। यह इस मानसून सीजन में तीसरी बार है, जब गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। बढ़ते पानी से रिवर फ्रंट रोड पूरी तरह डूब गई है। दशाश्वमेध घाट, नाग वासुकी मंदिर द्वार और बलुआ घाट जैसे पक्के घाट जलमग्न हो गए हैं। इन घाटों की सीढ़ियां, आरती स्थल और स्ट्रीट लाइट्स पानी में समा चुके हैं। दशाश्वमेध घाट पर स्थित पुलिस चौकी भी डूब गई है। पुलिसकर्मियों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।ऊंचाई पर स्थित नाग वासुकी मंदिर तक भी बाढ़ का पानी पहुंच चुका है। घाटों के आसपास की गलियों और सड़कों पर अब नावें चल रही हैं। सड़क किनारे खड़े ऑटो और टेंपो आधे पानी में डूब गए हैं। कई घरों की निचली मंजिलें पानी में हैं। लोग मजबूरी में ऊपरी मंजिलों पर रह रहे हैं।प्रशासन ने नदी किनारे के सभी इलाकों में अलर्ट जारी किया है। लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। कई लोग चोरी के डर से अपने घरों में ही रुके हुए हैं। बलुआ घाट, राजापुर, दारागंज, बड़ा बघाड़ा और छोटा बघाड़ा सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। यहां मंदिरों की रेलिंग, स्ट्रीट लाइट और 13 फीट ऊंचे मचान भी पानी में डूब गए हैं। हालात बिगड़ने पर प्रशासन ने नावों और राहत टीमों को सक्रिय कर दिया है। बाढ़ का पानी लगातार बढ़ रहा है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

ढाई साल का शिवभक्त कांवड़ लेकर निकला,:पिता ने बताया- मन्नत के बाद बेटा मिला,110किमी चलकर काशी विश्वनाथ का अभिषेक करेंगे

प्रयागराज। 'तीन बेटियों के बाद बड़ा वंश को चलाने वाला बेटा मिला, पत्नी के कहा बड़ी मान मनौती के बाद बेटा जन्मा है तो नाम शिवा रखेंगे। अब उसने कहा कि बाबा विश्वनाथ से कांवड़ लेकर आशीष लेना है, तो अब ढाई साल के शिवा के साथ हम कांवड़ लेकर बाबा धाम को निकल पड़े हैं। अब सिर्फ बाबा विश्वनाथ के सहारे चलकर जलाभिषेक करेंगे।' ये कहना है ढाई साल के शिव भक्त शिवा के पिता अजीत कुमार का। शिव भक्ति में सराबोर अजीत कुमार प्रयागराज के झलवा के रहने वाले हैं। वह पेशे से कारोबारी हैं। छोटे कारोबार से उसने पाई पाई जोड़ कर ग्रहस्ती जोड़ी है। घर में मां सुमित्रा, पिता दशरथ व पत्नी ममता हैं। शादी के 12 साल हो गए, लेकिन उन्हें बेटियां छोड़ बेटा नहीं हुआ। बेटे की आस में उन्होने पत्नी के साथ भगवान की चौखट पर माथा टेका। भगवान शिव से मन्नत मांगी तब जाकर बेटे ने ढाई साल पर जन्म लिया। अब बाबा विश्वनाथ के धाम जाकर मन्नत पूरी करनी है।अजीत बताते हैं, मेरे तीन बेटियां हैं, लेकिन बेटे की प्राप्ति नहीं हो रही थी। मैंने भोलेनाथ से प्रार्थना की थी कि अगर एक पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है तो मैं बेटे संग कांवड़ लेकर काशी विश्वनाथ तक जल चढ़ाने जाऊंगा। भगवान ने मेरी मुराद सुनी और शिवा का जन्म हुआ। इसीलिए उसका नाम भी 'शिवा' रखा।ढाई साल का नन्हा शिवा जब अपने नन्हें हाथों में छोटी सी कांवड़ उठाए घाट पर पहुंचा, तो वहां मौजूद हर किसी की नज़र उसी पर टिक गई। घाट पर श्रद्धालुओं ने बच्चे को देखकर आशीर्वाद दिए और कई लोगों ने इस भावनात्मक पल को कैमरे में भी कैद किया। शिवा की मुस्कान और भोलेपन ने हर किसी को भावुक कर दिया। अजीत और ममता देवी अपने पूरे परिवार के साथ इस यात्रा पर निकले हैं। वे कहते हैं कि यह यात्रा केवल शिवा के लिए नहीं, बल्कि उस विश्वास और भरोसे की प्रतीक है जो उन्होंने भगवान शिव पर जताया। ममता देवी कहती हैं, यह सिर्फ एक धार्मिक परंपरा नहीं है। हमारे जीवन की सबसे बड़ी खुशी और संतोष का कारण है।अजीत का कहना है कि गंगा जल भरने के बाद वे पैदल यात्रा कर काशी विश्वनाथ मंदिर तक जाएंगे और शिवा के हाथों से ही जलाभिषेक करवाएंगे।

करेली में टहलने निकले बुजुर्ग को कार ने रौंदा,मौके पर ही हुई मौत,चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

प्रयागराज। प्रयागराज के करेली थाना क्षेत्र में सुबह टहलने निकले एक बुजुर्ग की तेज रफ्तार कार की टक्कर से मौत हो गई। घटना करेली के करेंहदा मोहल्ले में हुई। 75 वर्षीय देवमन गुप्ता रोज की तरह सुबह साढ़े पांच बजे टहलने निकले थे। घर से कुछ ही दूरी पर पहुंचे थे। तभी तेज गति से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि देवमन गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के दो बेटे अजय कुमार और निरंजन लाल हैं। स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे कार चालक को पकड़ लिया। उन्होंने पुलिस को बुलाकर चालक को सौंप दिया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। करेली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। करेली इंस्पेक्टर आशीष कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चालक को हिरासत में लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती पर नाटक,इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से लेकर कई संस्थाओं में आज आयोजन

प्रयागराज। प्रयागराज में साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती के अवसर पर आज गुरुवार को कई आयोजन होने हैं। इसके लिए पहले से ही तैयारियां चल रही थीं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के साथ ही शहर की कई अन्य साहित्य से जुड़ी संस्थाओं की तरफ से आयोजन किया जा रहा है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजभाषा अनुभाग की तरफ से आज मुंशी प्रेमचंद्र की जयंती पर संगोष्ठी एवं अलग्योझा नाटक का मंचन ढाई बजे तिलक हॉल में होगा। प्रेमचंद्र होने का अर्थ विषयक संगोष्ठी में प्रो. आशीष खरे, प्रो. मुश्ताक अली, प्रो.आशुतोष , पारथेश्वर, प्रो. कुमार वीरेंद्र और डॉ. दीनानाथ मौर्य वक्तव्य देंगे।मुंशी प्रेमचंद्र जयंती की पूर्व संध्या पर एकल नाटक का प्रयागराज में मंचन हुआ। प्रयागराज से मुंशी प्रेमचंद्र का गहरा नाता रहा है। बुधवार को उनकी जयंती की पूर्व संध्या पर शाश्वत रंग मंडल की तरफ देवचंद्र सभागार कीडगंज उनकी कहानी शुभागी का एकल मंचन किया गया। इसका निर्देशन ऋतंधरा मिश्रा ने किया। नाटक की कहानी एक महिला के स्वाभिमान, संघर्ष और त्याग की कहानी है। मुंशी प्रेमचंद्र की शुभागी एक गरीब किसान की पत्नी है। वह अपने पति को बचाने के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दे देती है, लेकिन उसका पति ही उसे अपमानित करते हुए छोड़ देता है।मुंशी प्रेमचंद्र की कहानी शुभागी में कहानी की नायिका एक गरीब किसान की पत्नी है। उसका पति बीमार है और कमाई का कोई साधन नहीं बचा है। ऐसे में अपने पति के इलाज के लिए वह साहूकार के पास मदद के लिए जाती है। जहां साहूकार उसके सौंदर्य के प्रति आसक्त होकर पैसे देने के बदले इज्जत से समझौता करने का प्रस्ताव रखता है। पति को बचाने के लिए उसे सत्व और आत्मसम्मान की बलि देनी पड़ती है। साहूकार से पैसे लेकर लौटने पर उसका पति उसे अपवित्र समझता है। वह यह जानकर कि पैसे कहां से लाए हैं, उसे तिरस्कृत करता है और साथ छोड़ देता है। शुभागी अकेली रह जाती है। समाज भी उसे दोषी ठहराता है, जबकि उसने त्याग और प्रेम की चरम सीमा को छुआ था। कहानी में प्रेमचंद ने दिखाया है कि समाज त्याग और समर्पण की पीड़ा को नहीं समझता, वह सिर्फ दिखावे और नियमों के आधार पर न्याय करता है।मुंशी प्रेमचंद्र की कहानी शुभागी में स्त्री जीवन की त्रासदी और त्याग की मार्मिक झलक साफ दिखाई देती है। गरीबी किस तरह से इंसान को विवश कर देती है।

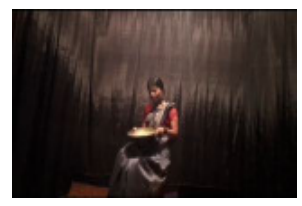

13 अगस्त तक जमा कर सकेंगे आपत्तियां,प्रयागराज में बढ़ने वाले सर्किल रेट को लेकर प्रशासन ने मांगी थी आपत्तियां,29 जुलाई तक का मिला था समय

प्रयागराज। प्रयागराज में एक अगस्त से नया सर्किल रेट लागू होना था, लेकिन अभी ऐसा नहीं होगा। प्रशासन की तरफ सर्किल रेट लेकर आपत्ति जमा करने की तिथि को बढ़ा दिया गया। अभी तक आपत्ति देने की अंतिम तिथि 29 जुलाई थी। इसको बढ़ाकर 13 अगस्त कर दिया गया है। ऐसे में लोगों को अब 15 दिनों का अतिरिक्त समय अपनी आपत्तियां दर्ज कराने के लिए मिल गया है। प्रशासन की तरफ लिए गए निर्णय से लोगों को काफी राहत मिलेगी। आपत्तियों पर 14 अगस्त को होगी सुनवाई। आपत्तियां जमा करने को लेकर तिथियों में हुए बदलाव के बारे में जानकारी देते हुए सहायक महानिरीक्षक निबंधन/सदस्य पुनरीक्षण समिति राकेश चंदा ने बताया कि 13 अगस्त की शाम पांच बजे तक मिली आपत्तियों पर ही विचार किया जाएगा। 14 अगस्त को दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक अगर कोई व्यक्ति, संस्था अपनी आपत्ति के बारे में र्तक/साक्ष्य को प्रस्तुत कर सकेंगे। जिसकी जांच के बाद जरूरी कार्रवाई की जाएगी। 40 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं जमीनों की कीमतें प्रशासन की तरफ से अभी तक एक अगस्त से नए सर्किल रेट को लागू किया जाना था। जिसके अन्तर्गत सिविल लाइंस के सर्किल रेट में सबसे ज्यादा 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। वहीं के अगर अन्य इलाकों की बात करें तो इसमें मम्फोर्डगंज, टैगोर टाउन, जार्जटाउन आदि स्थानों पर 25 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि का प्रस्ताव है। खास बात यह है कि विस्तारित क्षेत्रों नैनी, झूंसी और फाफामऊ का सर्किल रेट को इस प्रकार से बढ़ाया गया है कि वह सिविल लाइंस को भी टक्कर देगा। यहां भी 25 से 35 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। शांतिपुरम के सर्किल रेट में 35 प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है। लागू किए गए हैं नए प्रावधान- सर्किल रेट 2025-26 में कई नए प्रावधान लागू किए हैं। यह पहली बार है कि अपार्टमेंट, बरात घर, लॉन, पेट्रोल पंप आदि को आधार बनाकर सर्किल रेट का निर्धारण किया गया है। इसके साथ ही खेती की जमीन की रजिस्ट्री में भी स्लॉट की व्यवस्था खत्म कर दी गई है।

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल नैनी ने मनाई हीरक जयंती

'सफलता की गाथा : ओडिसी'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। बेथनी कॉन्वेंट स्कूल, नैनी, प्रयागराज ने अपनी 60 वर्षों की गौरवशाली यात्रा को यादगार बनाने हेतु दिनांक 29 जुलाई 2025 को भव्य रूप से हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम का थीम था - 'ओडिसीः सफलता की गाथा', जो शिक्षा, संस्कार और सेवा की परंपरा को समर्पित रहा। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं माननीय न्यायमूर्ति श्रीमती नंद प्रभा शुक्ला, जिला सोनभद्र की प्रशासनिक न्यायाधीश और स्कूल की पूर्व छात्रा (अलुम्नी)।

उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा किया और कहा कि इस विद्यालय ने उन्हें जीवन मूल्यों, अनुशासन और आत्मविश्वास से परिपूर्ण किया, जो आज उनके न्यायिक जीवन की नींव बने हैं।कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले अन्य विशिष्ट अतिथियों में थे - आदरणीय मोस्ट रेव. लुईस मास्करेन्हास, इलाहाबाद धर्मप्रांत के बिशप, एवं सिस्टर डॉ. जेस्सी मारिया बी.एस., कॉरपोरेट मैनेजर, ईस्टर्न प्रोविंस, जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की।कार्यक्रम का आरंभ हुआ 'शॉवर्स ऑफ ब्लेसिंग' (आशीर्वचन) के साथ, जिसमें प्रार्थना और आशीर्वाद के माध्यम से विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इसके बाद प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमीथा बी.एस. ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और शिक्षकों का हार्दिक स्वागत किया। विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'Rhythms of Legacy' नामक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नृत्य, गीत, और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से विद्यालय की उपलब्धियों और मूल्यों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात हुआ सम्मान समारोह,

जिसमें विद्यालय के विकास में योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के प्रेरणादायक भाषणों के बाद सिस्टर डॉ. जेस्सी मारिया बी.एस. ने हीरक जयंती समारोह के समापन की औपचारिक घोषणा की और विद्यालय के भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का समापन हुआ 'धन्यवाद ज्ञापन' और राष्ट्रगान के साथ, जिसमें सभी उपस्थितजनों ने एक स्वर में राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की। यह आयोजन न केवल अतीत की उपलब्धियों को स्मरण करने का अवसर था, बल्कि एक नई ऊर्जा और प्रतिबद्धता के साथ भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प भी रहा। बेथनी स्कूल ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि उसका आदर्श 'प्यार और सेवा' केवल एक नारा नहीं, बल्कि उसका जीवन मूल मंत्र है।

शौक पूरे करने के लिए बाइक चोरी करते थे,नवाबगंज पुलिस ने 19 वर्षीय आरोपी और 2 को पकड़ा, दो हीरो स्प्लेंडर बरामद

प्रयागराज। नवाबगंज पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो शातिर बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक 19 वर्षीय युवक और एक बाल अपचारी शामिल है। आरोपी अपने शौक पूरे करने और खर्चे निकालने के लिए मोटरसाइकिल चोरी करते थे। पुलिस ने इनके कब्जे से दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें और दो फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं। मुख्य आरोपी की पहचान सचिन भारतीय के रूप में हुई है। वह ग्राम रंगपुरा, थाना फाफामऊ का रहने वाला है। उसे नवाबगंज थाना क्षेत्र में कानपुर-वाराणसी हाईवे स्थित रानीगंज मार्केट के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके नाबालिग साथी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे शौक और मौज-मस्ती के लिए बाइक चुराते थे। चोरी के बाद असली नंबर प्लेट हटाकर नकली नंबर प्लेट लगा देते थे। इससे पुलिस को गुमराह किया जा सकता था। चोरी की गई बाइकें सस्ते दामों पर बेच दी जाती थीं। पैसों को आपस में बांट लिया जाता था। बरामद बाइकों में से एक वाहन यूपी-70जीसी-7294 थाना नवाबगंज क्षेत्र में दर्ज मुकदमा संख्या 349/25 से संबंधित है। दूसरी बाइक यूपी70एफवाई 0788 थाना कर्नलगंज में दर्ज मुकदमा संख्या 135/23 से जुड़ी हुई है। मुख्य आरोपी सचिन के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इनमें चोरी और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम जैसे मामले शामिल हैं। इस कार्रवाई को उप निरीक्षक अनुराग शर्मा और नवाबगंज थाने की टीम ने अंजाम दिया। प्रयागराज पुलिस आयुक्त के निर्देश पर चल रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। इससे इलाके में कानून-व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत हुआ है।

चाइल्ड हेल्पलाइन ने लावारिस बच्चे को सकुशल परिवार को किया सपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हिंदुआरी चौकी के अंतर्गत दिनांक 29.07.2025 को एक लावारिस हालत में मिले बच्चे की सकुशल वापसी की सफलता की कहानी। चाइल्ड हेल्प लाइन यूनिट की टीम ने तत्परता दिखाते हुए बच्चे को अपने संरक्षण में लिया और उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। इसके बाद, टीम ने बच्चे के परिजनों की खोजबीन शुरू की। ग्राम ओझाका पुरवा, जिला रायबरेली के ग्राम प्रधान से वार्ता कर बच्चे के परिजनों से संपर्क किया गया और उन्हें बुलाया गया। बच्चे के परिजनों के आने के बाद, उन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया और अंततः बच्चे को उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। इस सफलता की कहानी में चाइल्ड हेल्प लाइन यूनिट, बाल कल्याण समिति, और ग्राम प्रधान की संयुक्त प्रयास और समन्वय ने एक लावारिस बच्चे को उसके परिवार से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सफलता की कहानी उन सभी प्रयासों का परिणाम है जो बच्चों की सुरक्षा और कल्याण के लिए किए जा रहे हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन यूनिटी जिला समन्वयक मुकेश सिंह।

राकेश टिकैत की बृजेश पाठक से मुलाकात, मायावती की चर्चा... क्या अखिलेश के लिए 'पश्चिम' की राह होगी मुश्किल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों अलग ही मोड़ पर जाती दिख रही है। एक तरफ समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव 2024 में आजमाए पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स को जमीन पर उतारने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस लोकसभा चुनाव 2024 में मिली जीत के बाद अपनी राजनीतिक जमीन को साधने की कोशिश में जुटी हुई है। इन तमाम विपक्षी राजनीतिक दलों की सक्रियता के बीच सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुटी हुई है। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले जाट राजनीति में दमदार राष्ट्रीय लोकदल को भाजपा अपने साथ जोड़ने में कामयाब रही थी। हालांकि, पार्टी को इससे अधिक सफलता नहीं मिली। अब किसान नेता राकेश टिकैत के जरिए बड़ा संदेश देने की कोशिश की जा रही है। यूपी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सुगबुगाहट बढ़ने लगी है। लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी ने सलेमपुर सांसद रमाशंकर राजभर से चर्चा की शुरुआत कराकर बड़ा संदेश दिया। पिछड़ा दलित समाज को साथ जोड़ने की कवायद के तौर पर देखा गया। हालांकि, चर्चा के बाद पीएम नरेंद्र मोदी जब महाराजा सुहेलदेव का जिक्र किया तो इसे यूपी के राजनीतिक माहौल से जोड़कर देखा गया।इन चर्चाओं के बीच पश्चिमी यूपी में राजनीतिक हलचल तेज होती दिख रही है। किसान नेता राकेश टिकैत एक बार फिर चर्चा

के केंद्र में आ गए हैं। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से उनकी मुलाकात ने प्रदेश की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है।डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और किसान नेता राकेश टिकैत मुलाकात को एक 'शिष्टाचार भेंट' बता रहे हैं, लेकिन समय और संदर्भ इसके पीछे कहीं गहरी रणनीति की ओर इशारा कर रहे हैं। पंचायत चुनाव आने वाले हैं। साथ ही, प्रदेश में यूपी चुनाव 2027 की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में किसान नेता और सरकार के नंबर दो नेता के बीच लंबी बातचीत महज औपचारिक नहीं माना जा सकता है।राकेश टिकैत की डिप्टी सीएम से मुलाकात के बाद आई टिप्पणी पर चर्चा तेज हो गई है। दरअसल, किसान नेता ने बसपा प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती को 'नंबर वन मुख्यमंत्री' बता दिया। मायावती सरकार की किसानों के प्रति नीतियों की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि योगी आदित्यनाथ भी किसानों के लिए बेहतर कार्य करके उसी स्थान पर पहुंच सकते हैं। राकेश टिकैत के इस बयान को सत्ता संतुलन और अपना राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने की तौर पर देखा जा रहा है।पश्चिमी यूपी की राजनीति के केंद्र में हमेशा जाट और किसान ही केंद्र में रहे है। वर्ष 2014 के बाद से जाट समाज के बीच भाजपा का प्रभाव बढ़ा था। हालांकि, यूपी चुनाव 2022 और लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को इस इलाके में नुकसान हुआ। इसमें से राकेश टिकैत के प्रभाव वाले मुजफ्फरनगर, मेरठ, कैराना, रामपुर, बिजनौर आदि में भाजपा को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। ऐसे में भाजपा अपनी रणनीति को बदलकर आगे बढ़ रही है।राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि राकेश टिकैत की सरकार के करीबियों से पिछले दिनों कई मुलाकातें हुई हैं। राकेश टिकैत से पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार और अब डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की मुलाकात हुई। यह इशारा करती है कि बीजेपी जाट वोटबैंक में एक बार फिर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। राकेश टिकैत इस समीकरण में एक संभावित कड़ी हो सकते हैं।किसान आंदोलन के बाद से राकेश टिकैत का झुकाव समाजवादी पार्टी की तरफ दिखा है। वर्ष 2022 और 2024 के चुनावों में इसका फायदा सपा को मिला। हालांकि, अब उनकी बृजेश पाठक से उनकी बातचीत और बसपा की तारीफ से अखिलेश यादव की चिंता बढ़ने वाली हैं। दरअसल, बसपा यूपी की राजनीति में लगातार कमजोर हो रही है। बसपा का कोर दलित वोट बैंक लोकसभा चुनाव के दौरान सपा की तरफ जाता दिखा। ऐसे में किसान नेता राकेश टिकैत ने जिस प्रकार से मायावती को नंबर वन सीएम बताया है, इसका असर किसानों के बीच बढ़ता दिख सकता है। अखिलेश यादव पश्चिमी यूपी में किसान और जाट वोट बैंक को साधकर अपनी स्थिति को मजबूत बनाने का प्रयास करते दिख रहे हैं। ऐसे में राकेश टिकैत का सपा के प्रति अगर रवैया उदासीन होता है तो इसका बड़ा संदेश जाएगा। इससे अखिलेश यादव की यूपी चुनाव 2027 को लेकर चल रही रणनीति पर असर पड़ना स्वाभाविक है।राकेश टिकैत ने जिस प्रकार से मायावती की तारीफ की है, उसको लेकर अलग ही राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है। राजनीतिक जानकारों का दावा है कि मायावती के जरिए राकेश टिकैत सत्ता के निकट आए बिना अपनी अलग राजनीति को रंग दे सकते हैं।

ये चोर तो देशभक्त निकले! एयरफोर्स ऑफिसर के घर में सेंधमारी के 48 घंटे बाद वर्दी और आई-कार्ड वापस रख गए

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक अजीब घटना हुई। मंधना इलाके में चोरों ने एक घर में चोरी की। ये चोरी बहुत ही अजीब थी। चोरों ने भारतीय वायु सेना के सार्जेंट भारद्वाज यादव के घर को निशाना बनाया। चोर उनके घर से कुछ पैसे, उनकी वर्दी और पहचान पत्र चुरा ले गए। लेकिन कहानी में एक मोड़ आया। चोरी के दो दिन बाद, चोर वर्दी और आईडी कार्ड वापस रख गए। एसीपी रंजीत कुमार की टीम आरोपियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। पुलिस इस बात से परेशान है कि चोर इतने हिम्मत वाले कैसे हो सकते हैं। उन्होंने चोरी भी की और वापस भी आए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देख रही है। वे स्थानीय लोगों से भी पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस ने इलाके में रात में गश्त बढ़ा दी है। आईएएफ ने भी इस मामले पर ध्यान दिया है। क्योंकि ये मामला सेना से जुड़े दस्तावेजों से जुड़ा है।पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देख रही है। फुटेज में दिख रहा है कि शुक्रवार की रात को कोई व्यक्ति घर में था। उस समय सार्जेंट यादव इमारत के दूसरे हिस्से में थे। ऐसा लगता है कि चोरी की योजना पहले से बनाई गई थी। चोरों को घर के बारे में सब कुछ पता था। लेकिन रविवार की रात को जो हुआ, उसने पुलिस को हैरान कर दिया। चोर वापस उसी घर में आए। उन्होंने वर्दी और आईडी कार्ड को छत पर रख दिया। एसीपी कुमार ने कहा कि जल्द ही गिरफ्तारियां होंगी। उन्होंने कहा, 'आरोपियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।' पुलिस का कहना है कि वे मामले की तह तक जाएंगे। वे पता लगाएंगे कि चोरों ने ऐसा क्यों किया। क्या इसके पीछे कोई और वजह थी? पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है।यह घटना लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग हैरान हैं कि चोरों ने वर्दी और आईडी कार्ड वापस क्यों किए। कुछ लोग कह रहे हैं कि चोरों को शायद अपनी गलती का एहसास हो गया था। वहीं, कुछ लोग कह रहे हैं कि इसके पीछे कोई और वजह हो सकती है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है। उम्मीद है कि जल्द ही सच्चाई सामने आ जाएगी।

नारियल पानी वाला करता रहा मिन्नतें- फिर भी नहीं पसीजा महिला अफसर का दिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गोमती नगर स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक के पास नारियल पानी बेचने वाले एक गरीब युवक पर प्लास्टिक पॉलिथीन रखने के आरोप में चालान काटने का मामला सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। बुधवार को वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि मौके पर मौजूद कई लोग नारियल पानी वाले के पक्ष में मिन्नतें करते दिख रहे हैं और अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं कि गरीब को माफ कर दिया जाए, लेकिन मौके पर मौजूद महिला अधिकारी (जिन्हें लोग वीडियो में 'मैम' कहकर संबोधित कर रहे हैं) उनका दिल नहीं पसीजा। महिला अफसर ने किसी की एक न सुनी और नारियल पानी विक्रेता का चालान कर ही दिया। इस पूरी घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन गरीब ठेले वालों और फुटपाथ पर सामान बेचने वालों पर तो कड़ी कार्रवाई करता है, लेकिन शहर के बड़े दुकानदार जो खुलेआम पॉलिथीन का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई शायद ही कभी देखने को मिलती है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति कहते सुना गया कि हम सब जानते हैं कि पॉलिथीन पर रोक है, लेकिन क्या सिर्फ गरीबों पर ही कानून लागू होता है?इस मामले में सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं तीखी हैं। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि क्या यही है समान कानून का पालन? एक यूजर ने लिखा है कि छोटे गरीब विक्रेता को तंग करना आसान है, क्योंकि वो बिना विरोध किए सब सह लेता है, पर बड़े दुकानदारों को कोई हाथ नहीं लगाता। वहीं, कुछ लोगों ने संबंधित अधिकारी के रवैये को अमानवीय बताया और प्रशासन से मामले में संवेदनशीलता दिखाने की अपील की। हालांकि, सोशल मीडिया पर कुछ लोग प्रशासन का तर्क यह रहा है कि पॉलिथीन पर रोक सभी के लिए है और नियम का पालन जरूरी है।यह मामला सिर्फ एक नारियल पानी विक्रेता पर कार्रवाई का नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक रवैये और नीति के जमीनी क्रियान्वयन पर सवाल उठाता है, क्योंकि पॉलिथीन जैसे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पादों पर रोक जरूरी है, लेकिन यह रोक सबके लिए बराबर होनी चाहिए। गरीबों को कानून का सबसे आसान निशाना बनाना न सिर्फ अन्याय है, बल्कि समाज में असमानता की सोच को भी बढ़ावा देता है। लोगों का यह भी कहना है कि अधिकारी खुद अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नहीं निभाते है, जबकि सरकार की मंशा है कि पूरी तरीके से इस पर रोक लगाई जाए तो बिना किसी भेदभाव के अभियान चलाकर सख्ती से इसका पालन कराया जाए। बता दें कि उत्तर प्रदेश सरकार ने प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए 50 माइक्रोन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक पॉलिथीन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया हुआ है। वर्ष 2018 में केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत राज्य सरकार ने इस प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे। इसके बाद 2022 में सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे चम्मच, कप, प्लेट, स्ट्रॉ, पॉलिथीन बैग आदि पर भी रोक लगा दी गई। इसके उल्लंघन पर 1,000 रुपये से लेकर 1,00,000 तक का जुर्माना या कारावास का प्रावधान है। सरकारी दस्तावेजों में यह भी साफ है कि यह नियम सभी दुकानदारों, विक्रेताओं, होटल-रेस्टोरेंट, बाजारों और फेरीवालों पर समान रूप से लागू होता है। बावजूद इसके, ग्राउंड रियलिटी यह दर्शाती है कि कार्रवाई का सबसे आसान निशाना अक्सर छोटे विक्रेता और गरीब तबके के लोग बनते हैं।

अखिलेश बोले- बुरे दिन आने वाले हैं,हम दोस्ती के बाद दोस्ती करते रहे; रामगोपाल ने कहा-ट्रम्प खुद को राजा समझते हैं

लखनऊ। लोकसभा के मानसून सत्र का आज 9वां दिन है। बिहार वोटर वेरिफिकेशन और अमेरिका के टैरिफ लगाने वाले मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया। संसद पहुंचे अखिलेश यादव ने पीएम मोदी और ट्रम्प के रिश्ते को लेकर निशाना साधा। कहा- 11 सालों से क्या स्टडी चल रही थी। पिछले 11 वर्षों से यह सरकार लगातार दोस्ती के बाद दोस्ती करती रही। आज हमें ये दिन देखने पड़ रहे हैं। यह शुरुआत है बुरे दिनों की। इस देश के नौजवानों को नौकरी चाहिए। अर्थव्यवस्था बेहतर होगी तो रोजगार मिलेगा। अगर इस तरह की रुकावट होगी तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था का क्या होगा? इधर, सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा- अमेरिका भारतीय उत्पादों पर 25फीसदी टैरिफ लगाने जा रहा है। कुछ दिनों पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने मोदी के बारे में कहा था, 'मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मुझे पाकिस्तान से प्यार है'। उन्होंने कहा कि ट्रम्प का व्यवहार पूरी दुनिया में दूसरे देशों के प्रति ऐसा है कि जैसे वे राजा हों और दूसरे लोग प्रजा हों। ऐसा कभी किसी बड़े और ताकतवर देश ने दूसरे देशों के साथ नहीं किया। हिंदुस्तान को नए सिरे से सोचना होगा।इससे पहले, बुधवार को राज्यसभा में बोलते हुए सपा सांसद जया बच्चन गुस्सा हो गईं। जय बच्चन बोल रही थीं, तभी सत्ता पक्ष की ओर से टिप्पणी की गई। जया ने कहा, जब कोई महिला सांसद बोल रही हो तो आपको नहीं बोलना चाहिए। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने उन्हें रोकना चाहा तो और भड़क गईं। कहा- मुझे मत रोको, बोलने दो। जया बच्चन ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर एतराज जताया। पूछा, उन्होंने ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों और किसने रखा? सिंदूर तो उजड़ गया लोगों का। जो मारे गए और उनकी पत्नियां वहीं रह गईं। उन्होंने सत्ता पक्ष से पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवारों से माफी मांगने की बात कही।सपा सांसद वीरेन्द्र सिंह ने ट्रम्प द्वारा भारतीय उत्पादों पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर कहा- यह प्रधानमंत्री मोदी को डोनाल्ड ट्रंप का निजी दोस्त होने का तोहफा है। जब पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ है तो उनमें भी इतनी ताकत होनी चाहिए कि वे डोनाल्ड ट्रंप को जवाब दें।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर कहा-11 सालों से क्या स्टडी चल रही थी। पिछले 11 साल से यह सरकार लगातार दोस्ती के बाद दोस्ती करती रही और आज हमें ये दिन देखने पड़ रहे हैं। यह शुरुआत है बुरे दिनों की। इस देश के नौजवानों को नौकरी चाहिए। अर्थव्यवस्था बेहतर होगी तो रोजगार मिलेगा। अगर इस तरह की रुकावट होगी तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था का क्या होगा?अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। इस पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा- कुछ दिनों पहले एक प्रेस वार्ता के दौरान जब किसी पत्रकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति से पीएम मोदी के बारे में पूछा तो ट्रम्प ने कहा, 'मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन मुझे पाकिस्तान से प्यार है। ट्रम्प का व्यवहार पूरी दुनिया में दूसरे देशों के प्रति ऐसा है कि जैसे वे राजा हों और दूसरे लोग प्रजा हों। ऐसा कभी किसी बड़े और ताकतवर देश ने दूसरे देशों के साथ नहीं किया। हिंदुस्तान को नए सिरे से सोचना होगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा पर कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा- जिस विदेश नीति का पिछले 3 दिन से बहस के दौरान ढिंढोरा पीटा जा रहा था, वो ढोल फट चुका है। पीएम मोदी अपने भाषण में एक बार भी ट्रम्प का नाम लेने का साहस नहीं कर पाए। सबको लग रहा था कि वो टैरिफ के डर से ही नाम नहीं ले रहे हैं, लेकिन नाम न लेना कोई काम नहीं आया। आखिरकार वही हुआ, देश को 25फीसदी टैरिफ का तोहफा इस सरकार ने दिया है। ये कूटनीतिक और विदेश नीति फेल है। सरकार को बताना चाहिए कि उनकी कूटनीतिक और विदेश नीति कहां पर खड़ी है।इससे पहले, बुधवार को राज्यसभा में बोलते हुए सपा सांसद जया बच्चन गुस्सा हो गईं। जय बच्चन बोल रही थीं, तभी सत्ता पक्ष की ओर से टिप्पणी की गई। जया ने कहा, जब कोई महिला सांसद बोल रही हो तो आपको नहीं बोलना चाहिए। शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने उन्हें रोकना चाहा तो और भड़क गईं। कहा- मुझे मत रोको, बोलने दो। जया बच्चन ने ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर एतराज जताया। पूछा, उन्होंने ऑपरेशन का नाम सिंदूर क्यों और किसने रखा? सिंदूर तो उजड़ गया लोगों का। जो मारे गए और उनकी पत्नियां वहीं रह गईं। उन्होंने सत्ता पक्ष से पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवारों से माफी मांगने की बात कही।

बिजली बिल में 0.24फीसदी बढ़कर आएगा:उपभोक्ता परिषद का सवाल दक्षिणांचल-पूर्वांचल कंपनियों पर आरडीएसएस योजना में 16 हजार होंगे खर्च, फिर निजीकरण क्यों

लखनऊ। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अगस्त महीने में बिजली बिल बढ़कर आएगा। जुलाई में 1.97फीसदी की दर से वसूला गया ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार में अगस्त में 0.24फीसदी की और बढ़ोत्तरी कर दी गई है। इससे बिल में प्रति 100 रुपए पर 2.21 रुपए एफपीपीएएस के तौर पर देना होगा। इस बढ़ोत्तरी से बिजली वितरण कंपनियों को करीब 22.63 करोड़ रुपए मिलेंगे।उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस फ्यूल अधिभार का विरोध किया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपए का सरप्लस बकाया है। ऐसे में ईंधन अधिभार शुल्क के नाम पर किसी भी तरह की वसूली अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि यह शुल्क केवल बिजली दरों में कमी के समय ही लागू हो। फ्यूल अधिभार की राशि सरप्लस राशि से समायोजित किया जाए।उपभोक्ता परिषद ने विद्युत नियामक आयोग में एक लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल किया है। इसके माध्यम से पूर्वांचल-दक्षिणांचल कंपनियों के निजीकरण पर सवाल उठाए हैं। परिषद ने कहा कि प्रदेश के 42 जनपदों में निजीकरण के प्रस्ताव पर जनता में भारी आक्रोश है। बनारस, आगरा, मेरठ, लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में बिजली दरों की सुनवाई के दौरान निजीकरण और बिजली दर वृद्धि के खिलाफ व्यापक विरोध देखा गया। परिषद की मांग है कि आयोग विद्युत अधिनियम 2003 के तहत निजीकरण के प्रस्ताव को स्थगित करने की सलाह सरकार को दे। परिषद ने यह भी आरोप लगाया कि निजीकरण की प्रक्रिया में नियुक्त कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्नटन द्वारा रेगुलेटरी फ्रेमवर्क का उल्लंघन किया जा रहा है। कंसल्टेंट बार-बार आयोग के कर्मचारियों से मसौदे की जांच करवा रहा है, जो नियमों के खिलाफ है।परिषद ने कहा कि ऊर्जा मंत्री ने भी निजीकरण से पल्ला झाड़ लिया है और कहा कि यह प्रस्ताव सरकार की मंजूरी पर एनर्जी टास्क फोर्स तैयार कर रही है। दूसरी ओर, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने भारी आपत्तियों से सांबंधी पत्रावली मांगी है। नियामक आयोग जनता की भावनाओं को देखते हुए निजीकरण के प्रस्ताव को खारिज करे। आरडीएसएस योजना और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप परिषद ने आरडीएसएस योजना का जिक्र किया। बताया कि प्रदेश को इस स्कीम के तहत 44,094 करोड़ रुपए बिजली सुधार योजना के लिए मिले हैं। 16 हजार करोड़ रुपए दक्षिणांचल और पूर्वांचल में खर्च होंगे। नियामक आयोग ने इसकी मंजूरी भी दे दी है। फिर दोनों कंपनियों का निजीकरण क्यों? ये सीधे-सीधे सरकारी धन का दुरुपयोग होगा।उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने पावर कॉर्पोरेशन के निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल न बढ़ाने के निर्णय का स्वागत किया। इसके लिए सीएम योगी को धन्यवाद दिया। समिति ने नारंग के कार्यकाल में लिए गए सभी निजीकरण संबंधी निर्णयों को निरस्त करने और उनके वित्तीय फैसलों की उच्च स्तरीय जांच कराने की भी मांग की है।संघर्ष समिति ने आरोप लगाए कि निधि नारंग ने ट्रांजैक्शन कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्नटन को फर्जी एफिडेविट पत्र के बावजूद क्लीन चिट दी और कुछ चुनिंदा निजी घरानों को फायदा पहुंचाने वाले दस्तावेज तैयार करवाए। समिति ने अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को पत्र भेजकर नारंग का कार्यालय सील कराने और गोपनीय दस्तावेजों की फोटोकॉपी रोकने की मांग की है। प्रदेशभर में 245वें दिन भी निजीकरण के विरोध में वाराणसी, कानपुर, आगरा समेत 30 से अधिक जिलों में बिजली कर्मियों ने प्रदर्शन जारी रखा।

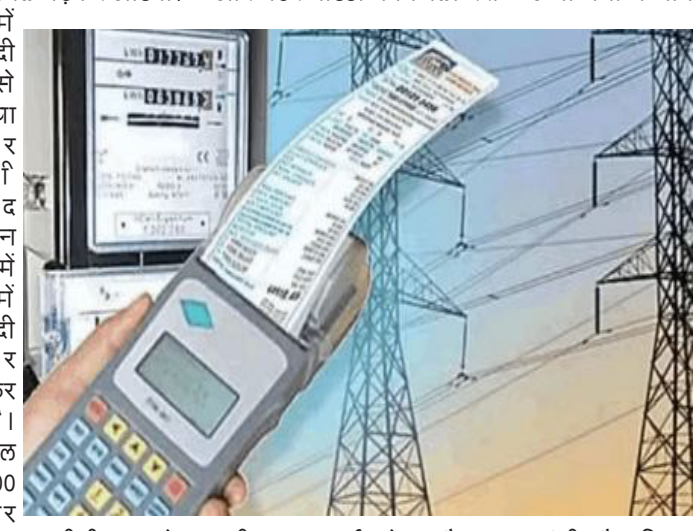

कहीं समोसा बड़ा तो कहीं छोटा, ?देश भर के होटल और ढाबों में भोजन की मात्रा का मानक तय हो- रवि किशन

गोरखपुर। लोकसभा में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से बीजेपी सांसद रवि किशन ने ढाबों और होटलों में मिलने वाले समोसे, वड़ा पाव आदि खाद्य पदार्थों के मानक निर्धारित करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने इस संबंध में कानून बनाने की मांग की है। रवि किशन ने कहा कि आबादी के लिहाज से भारत दुनिया में पहले नंबर पर है। हमारे देश में प्रतिदिन ढाबे और होटलों में करोड़ों लोग भोजन करते हैं। यहां स्थान और स्तर के हिसाब से खाद्य पदार्थों का मूल्य ग्राहकों से लिया जाता है। मुंबई में वड़ा पाव खाएंगे वहां अलग कीमत है, फाइव स्टार में जाओ, वहां अलग है। यहां चांदनी चौक में समोसा अलग रेट में मिलता है, गोरखपुर में गोल बाजार में अलग रेट पर मिलता है। गोरखपुर सांसद रवि किशन ने कहा कि किसी भी ढाबे या होटल में मात्रा कितनी होगी, ये मानकीकरण नहीं किया गया। कहीं कटोरी भर छुट्टा में दे देला, कहीं बड़ा समोसा मिलता है। ये आज तक हमको भी समझ में नहीं आया। इतना बड़ा बाजार जहां करोड़ों की संख्या में ग्राहक हैं, बिना किसी रूल्स एंड रेगुलेशन के चल रहा है। हमारे प्रधानमंत्री ने पिछले 11 वर्षों में कई क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन किए लेकिन अभी तक ये क्षेत्र अछूता है।रवि किशन ने कहा कि मेरी मांग है कि छोटे ढाबे से लेकर सामान्य रेस्टोरेंट, फाइव स्टार होटलों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों के मूल्य, गुणवत्ता और उसकी मात्रा को निर्धारित किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि देशभर के होटल और ढाबों में मिलने वाले भोजन की मात्रा का मानक तय हो। मेन्यू कार्ड में सिर्फ कीमत लिखी होती है, मात्रा नहीं, जिससे ग्राहकों को भ्रम होता है और भोजन का वेस्टेज भी होता है। मेरी मांग है कि सरकार एक ऐसा कानून बनाए जिससे मेन्यू में मूल्य के साथ-साथ खाद्य पदार्थ की मात्रा का भी उल्लेख हो। उपयोग किए गए तेल या घी की जानकारी भी दी जाए। ग्राहक का अधिकार है कि वह जाने कि वह कितनी मात्रा के लिए कितना भुगतान कर रहा है।

यूपी के पीडब्लूडी में चली तबादला एक्सप्रेस, कई अधीक्षण अभियंता इधर से उधर

लखनऊः उत्तर प्रदेश में तबादलों का सिलसिला जारी है।

इसी क्रम में लोक निर्माण विभाग ने कई इंजीनियरों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। तबादलों के क्रम में कई अधीक्षण अभियंताओं को नई जगहों पर तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह तबादले सीएम योगी की नाराजगी के बाद किये गए हैं। चक्रेश केन को अधीक्षण अभियंता 39वां वृत्त भवन लखनऊ और कर्मवीर सिंह को अधीक्षण अभियंता बस्ती वृत्त लोक निर्माण विभाग बस्ती के पद पर तबादला कर दिया गया है। लोकनिर्माण विभाग में वरिष्ठ स्टाफ ऑफिसर मेघ प्रकाश को अधीक्षण अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना वृत्त लोक निर्माण विभाग बरेली के पद पर तबादला कर दिया गया है। इसी तरह अरविंद कुमार को अधीक्षण अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना कानपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अरविंद कुमार मौजूदा समय में नवप्रोन्नत अधीक्षण अभियंता (सिविल) सम्बद्ध कार्यालय प्रमुख अभियंता पीडब्ल्यूडी लखनऊ के पद पर तैनात थे। लाल जी को अधीक्षण अभियंता विश्व बैंक परियोजना वृत्त कानपुर के पद पर भेज दिया गया है।अशोक कुमार वर्मा को अधीक्षण अभियंता गोरखपुर वृत्त लोक निर्माण विभाग गोरखपुर के पद पर भेज दिया गया है। अशोक कुमार मौजूदा समय में अधीक्षण अभियंता बस्ती वृत्त लोक निर्माण विभाग बस्ती के पद पर तैनात थे। सत्यवीर को अधीक्षण अभियंता भवन सेल लखनऊ मुख्यालय के पद पर भेज दिया गया है। नवप्रोन्नत अधीक्षण अभियंता (सिविल) सम्बद्ध कार्यालय प्रमुख अभियंता पीडब्ल्यूडी लखनऊ के पद पर तैनात रहे। राजवीर सिंह को स्टाफ ऑफिसर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग लखनऊ मुख्यालय के पद पर भेज दिया गया है।

एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र' को लेकर नवागंतुक डीएम ने तैयारियों की, की समीक्षा,सभी अधिकारीगण आपसी समन्वय बनाते हुए समय से सभी तैयारियां रखें पूरीः डीएम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जनपद में 1 अगस्त को भूकंप एवं औद्योगिक खतरा आपदा से निपटने हेतु जिले में 05 स्थानों पर प्रातः 9:00 बजे से राष्ट्रीय स्तरीय मॉकड्रिल 'एक्सरसाइज सुरक्षा चक्र' का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियों को लेकर आज नवागंतुक जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट के कार्यालय कक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा की मॉकड्रिल का उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की क्षमता को परखना और विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करना है। उन्होंने पुलिस विभाग, नगर पालिका, एनडीआरएफ, चिकित्सा विभाग, पूर्ति विभाग, नागरिक सुरक्षा, सूचना विभाग, यातायात विभाग, एनसीसी, विद्युत विभाग, जल निगम, अग्निशमन विभाग, परिवहन विभाग तथा होमगार्ड विभाग के अधिकारियों को मॉक ड्रिल हेतु चिन्हित किए गए स्थान पर समय से पहले पहुंचकर समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों से संसाधनों की उपलब्धता, रूट मैप, एंबुलेंस की व्यवस्था, संचार प्रणाली और बचाव उपकरणों तैनाती समय से ही सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मॉकड्रिल के माध्यम से जनपद की आपदा प्रबंधन क्षमता को परखा जाएगा, अतः सभी विभाग अपनी भूमिका का समुचित निर्वहन करें।

बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने मॉकड्रिल की अब तक की गई तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद के पांच स्थानों सावित्रीबाई फुले बालिका इंटर कॉलेज ग्रेटर नोएडा, डब्ल्यूएचओ टाउनशिप गुरजिंदर विहार ग्रेटर नोएडा, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्रेटर नोएडा, आयुर्विज्ञान संस्थान जिम्स ग्रेटर नोएडा तथा विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में प्रातः 9:00 बजे से मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आपदा से बचाव और त्वरित राहत की कार्रवाई हेतु गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय को स्टेजिंग एरिया एवं रेस्पांडर कैंप, डीईओसी कलेक्ट्रेट ग्रेटर नोएडा को कम्युनिकेशन सेंटर, जिलाधिकारी कार्यालय को इंसीडेंट कमाण्ड पोस्ट, शारदा हॉस्पिटल को मेडिकल कैंप तथा मलकपुर स्टेडियम ग्रेटर नोएडा को राहत कैंप के रूप में चिन्हित किया गया है। उन्होंने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में पांच स्थान पर आयोजित होने वाले मॉक ड्रिल को लेकर पांच इंसीडेंट कमांडर की तैनाती भी कर दी गई है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से मॉकड्रिल की गतिविधियों को गंभीरता से लेने तथा आपसी समन्वय के साथ समय से समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस मॉकड्रिल के माध्यम से विभागीय तत्परता और प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावशीलता का आकलन किया जाएगा, जो भविष्य में आपदाओं से निपटने में सहायक सिद्ध होगी।इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप चौबे, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी, एनडीआरफ, सीआरपीएफ, आइटीबीपी, पीएसी 49, पूर्ति विभाग, यातायात विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, परिवहन तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित है।

अयोध्या में बेसहारा मिली बुजुर्ग महिला गोंडा की थी, पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया

अयोध्या। कुछ दिनों पहले अयोध्या जिले में एक बुजुर्ग कैंसर पीड़ित महिला को उसके परिजन सड़क किनारे बेसहारा छोड़ गए थे। इलाज के दौरान बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी। अब इस मामले में थाना कोतवाली अयोध्या पुलिस और सर्विलांस सेल ने उस अज्ञात बुजुर्ग महिला की शिनाख्त करने में सफलता हासिल कर ली है। जिसे उसके परिवार की दो महिलाएं और एक पुरुष ने यहां के राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज के पास रात को चुपके लावारिस मरने के छोड़ कर चले गए थे।पुलिस

लावारिस हालत में मेडिकल कालेज के पास किशुनदासपुर में मिली महिला की शिनाख्त मामले में केस दर्ज कर कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। महिला की पहचान भगवती पत्नी बृजपाल ग्राम नगवां थाना नवाबगंज गोंडा जिले के रूप में हुई है। 23/24 जुलाई की रात दर्शन नगर चौकी क्षेत्र के किशुनदासपुर में एक महिला को ई-रिक्शा से लाकर दो महिला और एक पुरुष लावारिस हालत में छोड़कर चले गए थे। सुबह पुलिस द्वारा बीमार महिला को इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई थी।

1अगस्त को श्रमिक कुंज सेक्टर-122 व ग्राम आछेपुर में पेंशन योजनाओं हेतु लगेगा कैम्प,आम जनमानस कैंप में पहुंचकर आयोजित कैंप का उठाये लाभ : जिला समाज कल्याण अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से संचालित पेंशन व अन्य लाभार्थीपरक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने एवं लाभार्थियों के सम्मुख आ रही समस्याओं के निस्तारण हेतु जनपद के माननीय जनप्रतिनिधियों एवं डीएम मेधा रूपम के निर्देशों के क्रम में जनपद में कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है।जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन योजना के लाभार्थियों की समस्याओं के समाधान एवं अन्य विभागों जैसे उद्योग केंद्र, पूर्ति विभाग, पिछड़ा वर्ग विभाग, बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, कौशल विकास विभाग व अन्य विभागों द्वारा अपने-अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी एवं लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान आयोजित कैंप में किया जाएगा।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आगामी 01 अगस्त 2025 को श्रमिक कुंज सेक्टर-122 नोएडा व ग्राम आछेपुर में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विभिन्न विभागों द्वारा कैंप लगाकर अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी दी जाएगी एवं लाभार्थियों के सम्मुख योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में आ रही समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने जन सामान्य से कहा कि आयोजित होने वाले कैंप में पहुंचकर कैंप का भरपूर लाभ उठाएं।

कबूतरों के पैर में लाल-हरी लाइट बांधकर रात में उड़ाते थे शोएब और शाकिर, खुल गया ड्रोन की अफवाह का भेद

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में एक अजीबोगरीब, लेकिन खतरनाक साजिश का खुलासा हुआ है। जिले की ककरौली थाना पुलिस ने मंगलवार रात दो ऐसे युवकों को गिरफ्तार किया है, जो कबूतरों के जरिए लोगों में दहशत फैलाने की साजिश रच रहे थे। शोएब और शाकिब नामक ये दोनों युवक कबूतरों के पैरों और गर्दन में लाल और हरी लाइटें बांधकर उन्हें रात के अंधेरे में उड़ाते थे, ताकि आसमान में चमकती रोशनी को लोग ड्रोन समझें और डर जाएं।हाल के दिनों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में यह अफवाह फैली थी कि रात के समय कुछ रहस्यमयी ड्रोन आसमान में उड़ते दिखाई दे रहे हैं, जिनमें लाल और हरी लाइटें जलती हैं। इस अफवाह के कारण कई गांवों में लोग डर के साये में जी रहे थे और सुरक्षा के लिए रात्रि पहरे तक लगाए जा रहे थे।बीती रात ककरौली पुलिस को सूचना मिली कि आसमान में लाल-हरी लाइट चमकती दिखाई दे रही है। पुलिस ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए मौके पर पहुंचकर उस चमकती लाइट का पीछा किया। लाइट खेतों और जंगल की ओर जाती हुई दिखाई दी, जिसके बाद पुलिस ने जांच-पड़ताल की और पाया कि यह रोशनी किसी ड्रोन से नहीं,बल्कि एक कबूतर से आ रही थी।पुलिस ने मौके से दो कबूतरों को पकड़ा, जिनके पैरों और गर्दन में एलईडी लाइटें बंधी थी। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शोएब और शाकिब इन कबूतरों को जानबूझकर उड़ाते थे, ताकि लोग भ्रमित होकर उन्हें ड्रोन समझें और क्षेत्र में दहशत फैल जाए। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह साजिश जानबूझकर रची थी और इसके लिए आवश्यक उपकरण दिल्ली से लाए थे।

पूर्व विधायक की बेटी थीं एएसपी की पत्नी, पति पर अत्याचारों का आरोप लगाकर दी जान, पीछे छोड़ गईं तीन मासूम

लखनऊ। लखनऊ पुलिस लाइंस के ट्रांजिट हॉस्टल में सीबीसीआईडी में तैनात एएसपी की पत्नी ने फांसी लगा ली। वह फर्रुखाबाद के पूर्व विधायक की बेटी थीं। उनका शव पंखे के सहारे दुपट्टे से लटका मिला। पुलिस और फरेंसिक टीम ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। महिला के भाई ने एएसपी पर बहन को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। इटावा के अजीतनगर निवासी मुकेश प्रताप सिंह सीबीसीआईडी, लखनऊ में एएसपी के पद पर तैनात हैं। वह पुलिस लाइंस के ट्रांजिट हॉस्टल की तीसरी मंजिल पर पत्नी नितेश सिंह (38), बेटा अनिकेत (13), बेटी अनन्या (13) और डेढ़ वर्षीय बेटे ईशू के साथ फ्लैट नंबर-38 में रहते थे। अनन्या और अनिकेत जुड़वा बच्चे हैं। अनिकेत स्पेशल चाइल्ड है। एक दिन पहले उसकी बुआ राखी उसे फर्रुखाबाद लेकर चली गई थीं।बुधवार को एएसपी एमपी सिंह ऑफिस गए थे। घर में पत्नी दोनों बच्चों के साथ थीं। दोपहर बाद अनन्या दूसरे कमरे में पढ़ने चली गई। वह दोपहर बाद करीब चार बजे कमरे से बाहर निकली तो नितेश दुपट्टे के सहारे पंखे से लगे फंदे से लटकतीं मिलीं। अनन्या ने पिता को जानकारी दी। उन्होंने महानगर पुलिस को सूचना दी और आवास पर पहुंचे।मामले की जानकारी होने पर नितेश के पिता फिरोजाबाद के नगला स्थित उत्तर निवासी पूर्व विधायक राकेश बाबू, उनका बेटा प्रमोद व अन्य परिवारीजन पुलिस लाइंस पहुंच गए। फिरोजाबाद के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद ने एएसपी एमपी सिंह पर बहन को प्रताड़ित करने और पीटने का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि इटावा निवासी एक युवती से करीबियों के चलते मुकेश उनकी बहन को प्रताड़ित करते थे। एडीसीपी सेंट्रल ममता रानी का कहना है कि जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवारीजनों का कहना है कि शव का अंतिम संस्कार करने के बाद वह तहरीर देंगे।नितेश सिंह के पिता राकेश बाबू टूंडला के पूर्व विधायक हैं। वह पहले बीएसपी में थे। बाद में बीजेपी जॉइन कर ली थी। वर्ष 2011 में उन्होंने एमपी सिंह और नितेश की शादी की थी। मायके वालों का आरोप है कि वह घर में नौकरानी भी नहीं रखते थे। सारा काम नितेश से ही करवाते थे। नितेश के भाई प्रमोद ने बताया आए दिन झगड़े से परेशान नितेश 6 माह से मायके में थी। दो माह पहले हुए ट्रांसफर के बाद मुकेश बरेली से लखनऊ आ गए। 6 दिन पहले ही नितेश बच्चों के साथ लखनऊ आई थीं। बुधवार सुबह मां किरन देवी से नितेश ने बात की थी। मुकेश आए दिन उससे झगड़ा करते हुए छोड़ने की बात कहते हैं।मुकेश ने पूरा घर में कैमरे लगवा रखे हैं। यहां तक की बेडरूम में भी कैमरा है। परिवारीजन का आरोप है कि मुकेश कहते थे कि कुछ दिन पहले एक पुलिस अधिकारी की पत्नी ने सुइसाइड कर लिया, कैमरे न होने की वजह से वो फंस गया। लेकिन मैं कैमरे की वजह से ही बच जाऊंगा। पुलिस ने सीसीटीवी कब्जे में ले लिया है।परिवारीजनों ने बताया कि स्पेशल चाइल्ड अनिकेत और नितेश को मुकेश पागल कहते थे। एएसपी की महिला मित्र को लेकर भी दंपती में झगड़ा होता था। युवती भी बरेली की एक निजी कंपनी में एग्जीक्यूटिव इंजिनियर थी। एएसपी का तबादला होने पर उसने भी ट्रांसफर लखनऊ करवा लिया है। इसी बात पर मंगलवार को भी झगड़ा हुआ था। परेशान होकर नितेश ने गला दबाकर अनिकेत को मारने का भी प्रयास किया था। इस पर मंगलवार देर रात उसकी बुआ रखी लखनऊ पहुंची और अनिकेत को अपने साथ फर्रुखाबाद ले गईं।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद स्तरीय बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद स्तरीय अनुश्रवण समिति की बैठक की, बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत नवीन शासनादेश के सम्बन्ध में चर्चा, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आवेदन की प्रक्रिया पर चर्चा, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह हेतु पात्रता की शर्तों पर चर्चा, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत आनलाईन प्राप्त कुल आवेदन पत्रों पर चर्चा, जिला समाज कल्याण अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी के दायित्वों पर चर्चा, जनपद को आवंटित लक्ष्य की पूर्ति हेतु चर्चा, विवाह की तिथि के सम्बन्ध में चर्चा सहित अन्य बिन्दुओं पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के तहत जनपद के विभिन्न ब्लाकों में वित्तीय वर्ष-2025-26 में 466 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराये जाने के लिए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले जोड़ों की जॉच बारीकी से अवश्य करा लिया जाये, जिससे किसी प्रकार की शिकायत की समस्या उत्पन्न न होने पायें। ब्लाक स्तर पर प्राप्त होने वाले आवेदनों को सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा गहनता पूर्वक निरीक्षण कराया जाये, जिससे पात्र व गरीब व्यक्तियो के पुत्र व पुत्रियों की शादी सम्पन्न करायी जा सकें। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में वर-वधू जोड़ों को दी जाने वाली सामग्री के लिए टेण्डर प्रक्रिया को समय से पहले पूरा करा लिया जाये और सामग्री की गुणवत्ता की जॉच भी करा ली जायें। उन्होंने बताया योजनान्तर्गत पात्रता की शर्तें निर्धारित की गयी है जैसे- कन्या के अभिभावक उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हों, कन्या के अभिभावक निराश्रित, निर्धन तथा जरूरतमंद हो, आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सीमा अधिकतम 3 लाख तक हो, विवाह हेतु निराश्रित कन्या, विधवा महिला की पुत्री, दिव्यांगजन अभिभावक की पुत्री, ऐसी कन्या जो स्वयं दिव्यांग हो, को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि कन्या के दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु सहायता राशि 60 हजार कन्या के खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की जायेगी। 25 हजार मूल्य की वैवाहिक उपहार समाग्री आदि दिये जाने का प्राविधा किया गया है। बैठक में मुख्य विकास अधिकरी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) बागिश शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे) रोहित यादव, उप जिलाधिकारी घोरावल, उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, जिला समाज कल्याण अधिकरी, परियोजना अधिकारी डूडा श्री सुधांशु शेखर, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

पूज्यपाद गोस्वामी तुलसी दास जी महाराज की जयंती कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र(नि.सं.)। सोनभद्र नगर के रामलीला मैदान सभागार में पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के जयंती कार्यक्रम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्रीय संचेतना समिति व 'गुप्त काशी विकास परिषद' के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। स्वागत भाषण देते हुए डॉ अवधेश दीक्षित, संस्थापक काशी कथा न्यास ने कहां की सोनभद्र का रामलीला मैदान का सभागार पूज्य तुलसीदास जी के संगोष्ठी का गवाह बन रहा है कि गुप्तकाशी धरा से तुलसी जयंती की अविरल गंगा धारा प्रवाहित होने जा रही है जिसका संयोजन महामना की कुटिया के भारत अध्ययन केंद्र,भोजपुरी अध्ययन केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, गुप्तकाशी विकास परिषद और राष्ट्रीय संचेतना समिति जो पंच योजकत्व संस्थायें हैं मिलकर के पंच परिवर्तन की व्यवस्था हेतु योजना एवं रूपरेखा तैयार कर रही हैं मैं इन सभी के समस्त सदस्यों का इस व्यवस्था परिवर्तन हेतु स्वागत करता हूं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो प्रभाकर सिंह समन्वयक,भोजपुरी अध्ययन केंद्र एवं प्रोफेसर ,हिंदी विभाग,काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि अहंकार मुक्त जीवन ही वास्तविक सुख की कुंजी है।पूज्य तुलसीदासजी ने अपने समसामयिक मुगल शासन की कुव्यवस्था का चित्रण अपनी रचनाओं में किया है।विशेषकर उनकी रचना 'कवितावली' में मुगल शासन व्यवस्था में किसानों की त्रासद स्थिति और लोगों के जीविका विहीन होकर दर-दर भटकने का चित्रण मिलता है।अकाल, भुखमरी, महामारी और बेरोजगारी जैसे वातावरण से जनता जूझ रही थी और मुगलिया शासकों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था।विशिष्ट अतिथि अभिजीत् कुमार, निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य तुलसीदास जी ने रचनाओं में समाज के हर वर्ग के कल्याण की बात की है और इसे ही अपने काव्य का उद्देश्य माना है। तुलसीदास मानते थे कि रामकथा लोगों का कल्याण करने वाली और कलियुग के पापों को हरने वाली है। विशिष्ट स्थिति डॉ अमित कुमार पांडे विजिटिंग फेलो,भारत अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य तुलसीदास ने रामचरितमानस में रामकथा को 'मंगल करनि कलि मल हरनि' कहकर, इसे कल्याणकारी और पापों का नाश करने वाला बताया है। और समन्वय की भावना से तुलसीदास ने अपने साहित्य में विभिन्न मतों और विचारधाराओं के बीच समन्वय स्थापित करने की कोशिश की है। उन्होंने राम को शिव का उपासक और शिव को राम का उपासक बताया है, जिससे ज्ञानमार्गी और भक्तिमार्गी लोगों में एकता स्थापित हो सके। गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक चतुर्वेदी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य पाद प्रभु तुलसीदास ने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, भेदभाव और छुआछूत जैसी विषमताओं को दूर करने की कोशिश की है। उन्होंने भरत और निषादराज को गले मिलते हुए दिखाया है, और राम को भीलनी शबरी के झूठे बेर खाते हुए दिखाया है। पारस्परिक स्नेह और आदर का भाव-तुलसीदास ने अपने साहित्य में भाई-भाई, पिता-पुत्र, सास-बहू, राजा-प्रजा, गुरु-शिष्य, गृहस्थी-संन्यासी, विभिन्न धर्मावलंबियों के बीच स्नेह और आदर के भाव को अभिव्यक्त किया है। तुलसीदास ने अपने साहित्य में सदाचार, मर्यादा और कर्तव्य पालन पर जोर दिया है। उन्होंने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रस्तुत किया है, जो अपने वचनों और कर्मों में सदैव मर्यादा का पालन करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंडित पारसनाथ मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार,संरक्षक गुप्त काशी विकास परिषद ने कहा कि संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि तुलसीदास जी हिन्दी के ऐसे कवि हैं जिन्होंने काव्य रचना का मूल उद्देश्य लोक मंगल का हि विधान स्वीकार किया है। मंगल शब्द विभिन्न अर्थों में प्रयुक्त होता है शुभ, कल्याण, सौभाग्य, कल्याणप्रद, प्रसन्नता, आनंद इत्यादि। तुलसीदास जी ने दो कृतियां भी लिखी हैं जिसमें मंगल शब्द प्रयुक्त हुआ है, पार्वती मंगल और जानकी मंगल। परंतु जब मंगल लोक के साथ जोड़ दिया जाता है तो वहां कल्याण या आनंद या उल्लास अर्थ प्रधान करता है लोक मंगल का अर्थ है लोक कल्याण।रामचरितमानस उनकी कालजयी रचना है जिसमें लोकमंगल की भावना का विधान देखने को मिलता है। इसलिए इनके काव्य में राम गुणशीलता के दर्शन, लोक कल्याण समन्वय की भावना, भक्तिभावना, प्रकृति प्रेम, गुण महिमा, सत्संग, नारी चित्रण, दार्शनिकता और स्वान्तः सुखाय जैसी भाव भरी काव्य के दर्शन होते हैं । इसीलिए तुलसीदास को लोकमंगल का लोकनायक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने रामचरितमानस जैसे महाकाव्य की रचना की, जो आम लोगों की भाषा (अवधी) में थी और उनके जीवन, मूल्यों और आदर्शों को व्यक्त करती है। उन्होंने समाज में समन्वय, प्रेम, और भक्ति का संदेश दिया, जिससे वे लोगों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हुए और उन्हें 'लोकनायक' की उपाधि मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सत्यपाल जैन ने कहा कि लोकमंगल का अर्थ है लोगों का कल्याण या जनता की भलाई। यह शब्द समाज के सभी लोगों के हित और सुख-शांति के लिए किए जाने वाले कार्यों को दर्शाता है। तुलसीदास भक्तिकाल की राम काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है।कार्यक्रम का संचालन करते हुए जगदीश पंथी, राष्ट्रीय कवि भोजपुरी व राष्ट्रीय संचेतना समिति के संस्थापक ने कहा की तुलसी ने रामचरितमानस के ज़रिए भगवान राम की भक्ति को घर-घर तक पहुँचाया है। जहाँ तुलसी का साहित्य भक्ति-भावना जागृत करता है वही सामाजिक चेतना का भी प्रसार करता है। तुलसीदास की सामाजिक और लोकवादी दृष्टि मध्यकाल के अन्य कवियों से अधिक व्यापक और गहरी है।कार्यक्रम सभी अतिथियों ने मिलकर विक्रम संवत 2082 का तुलसी सम्मान राष्ट्रीय भोजपुरी कवि सिपाही पांडे 'मनमौजी' को एवं सरस्वती श्री सम्मान सेवानिवृत्ति अध्यापिका श्रीमती विमला देवी को तथा दयाराम पांडे स्मृति सम्मान अजय कुमार चतुर्वेदी 'कक्का' को दिया। कार्यक्रम में गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक कुमार चतुर्वेदी,संरक्षक पारस मिश्रा, राष्ट्रीय संचेतना समिति के संस्थापक जगदीश पंथी, काशी कथा न्यास के संस्थापक डॉक्टर अवधेश दीक्षित, भारत अध्ययन केंद्र के विजिटिंग फेलो डॉ अमित कुमार पांडे, भोजपुरी अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रोफेसर प्रभाकर सिंह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉ अभिजीत् कुमार,राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख धनंजय पाठक,नागेंद्र पाठक, सत्येंद्र तिवारी, दयाशंकर पांडे,अनूप कुमार मिश्रा,आशुतोष पाण्डेय, बिनोद चौबे,भईया लाल,कृष्ण मुरारी गुप्ता, ललितेश मिश्रा, सतीश सिंह, किशोरी लाल, विनय सिंह,ओमप्रकाश मिश्रा, बलराम सोनी उपस्थित रहे।डकार्य क्रम विशेष-गुप्त काशी विकाश परिषद, काशी कथा न्यास, राष्ट्रीय संचेतना समिति पुरे वर्ष गोस्वामी तुलसी दास रचित रामचरितमानस जनपद में वितरित करेगा.

विधानसभा के विधायक ने किया अंत्येष्टि स्थल का शिलान्यास

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा के रॉबर्ट्सगंज ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत ऊंचडीह में गुरुवार को घोरावल विधायक डॉ अनिल कुमार मौर्य एवं सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत द्वारा ग्राम प्रधान अर्चना त्रिपाठी के अध्यक्षता में शासन की अति महत्वपूर्ण योजना अंत्येष्टि स्थल का शिलान्यास एवं विधि विधान से भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया अंत्येष्टि स्थल पर पौधारोपण भी किया गया इस अवसर पर ग्राम पंचायत के निवासी राष्ट्रपति एवं राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षक डॉक्टर ओमप्रकाश त्रिपाठी खंड विकास अधिकारी लाल शुक्ला सहायक विकास अधिकारी राधेश्याम यादव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष उदय नाथ मौर्य प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश शुक्ला गौरी शंकर मंडल अध्यक्ष रामबली मौर्य सोनभद्र नगर मंडल के मंडल अध्यक्ष विनय श्रीवास्तव राहुल सिंह पटेल नगर महामंत्री अनुपम तिवारी सुरेंद्र मौर्य पूर्व प्रधान विजयकांत पांडे के वरिष्ठ नेता चंद्रकांत पांडे कंसल्टेंट इंजीनियर प्रियंका पटेल ग्राम विकास अधिकारी सुरेश सिंह दिनेश पटेल पंचायत सहायक नीतू सिंह रोजगार सेवक योगेश पांडे क्षेत्र पंचायत सदस्य कृष्णावती देवी रविकांत पांडे निलेश पांडे ग्राम पंचायत के सदस्य गण एवं ग्राम पंचायत के सम्मानित ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित रहे।

जयंती पर पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज को किया गया याद,तीन लोगों को अलग-अलग क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए किया गया सम्मानित

सोनभद्र नगर के रामलीला मैदान सभागार में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सोनभद्र नगर के रामलीला मैदान सभागार में पूज्यपाद गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज के जयंती कार्यक्रम पर वृहस्पतिवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्रीय संचेतना समिति व 'गुप्त काशी विकास परिषद' के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। स्वागत भाषण देते हुए डॉ अवधेश दीक्षित, संस्थापक काशी कथा न्यास ने कहां की सोनभद्र का रामलीला मैदान का सभागार पूज्य तुलसीदास जी के संगोष्ठी का गवाह बन रहा है कि गुप्तकाशी धरा से तुलसी जयंती की अविरल गंगा धारा प्रवाहित होने जा रही है जिसका संयोजन महामना की कुटिया के भारत अध्ययन केंद्र,भोजपुरी अध्ययन केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, गुप्तकाशी विकास परिषद और राष्ट्रीय संचेतना समिति जो पंच योजकत्व संस्थायें हैं मिलकर के पंच परिवर्तन की व्यवस्था हेतु योजना एवं रूपरेखा तैयार कर रही हैं मैं इन सभी के समस्त सदस्यों का इस व्यवस्था परिवर्तन हेतु स्वागत करता हूं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो प्रभाकर सिंह समन्वयक,भोजपुरी अध्ययन केंद्र एवं प्रोफेसर ,हिंदी विभाग,काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि अहंकार मुक्त जीवन ही वास्तविक सुख की कुंजी है। पूज्य तुलसीदासजी ने अपने समसामयिक मुगल शासन की कुव्यवस्था का चित्रण अपनी रचनाओं में किया है।विशेषकर उनकी रचना 'कवितावली' में मुगल शासन व्यवस्था में किसानों की त्रासद स्थिति और लोगों के जीविका विहीन होकर दर-दर भटकने का चित्रण मिलता है।अकाल, भुखमरी, महामारी और बेरोजगारी जैसे वातावरण से जनता जूझ रही थी और मुगलिया शासकों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था। विशिष्ट अतिथि अभिजीत् कुमार, निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य तुलसीदास जी ने रचनाओं में समाज के हर वर्ग के कल्याण की बात की है और इसे ही अपने काव्य का उद्देश्य माना है। तुलसीदास मानते थे कि रामकथा लोगों का कल्याण करने वाली और कलियुग के पापों को हरने वाली है। विशिष्ट स्थिति डॉ अमित कुमार पांडे विजिटिंग फेलो,भारत अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य तुलसीदास ने रामचरितमानस में रामकथा को 'मंगल करनि कलि मल हरनि' कहकर, इसे कल्याणकारी और पापों का नाश करने वाला बताया है। और समन्वय की भावना से तुलसीदास ने अपने साहित्य में विभिन्न मतों और विचारधाराओं के बीच समन्वय स्थापित करने की कोशिश की है। उन्होंने राम को शिव का उपासक और शिव को राम का उपासक बताया है, जिससे ज्ञानमार्गी और भक्तिमार्गी लोगों में एकता स्थापित हो सके। गुप्त काशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक चतुर्वेदी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि पूज्य पाद प्रभु तुलसीदास ने समाज में व्याप्त ऊंच-नीच, भेदभाव और छुआछूत जैसी विषमताओं को दूर करने की कोशिश की है। उन्होंने भरत और निषादराज को गले मिलते हुए दिखाया है, और राम को भीलनी शबरी के झूठे बेर खाते हुए दिखाया है। पारस्परिक स्नेह और आदर का भाव तुलसीदास ने अपने साहित्य में भाई-भाई, पिता-पुत्र, सास-बहू, राजा-प्रजा, गुरु-शिष्य, गृहस्थी-संन्यासी, विभिन्न धर्मावलंबियों के बीच स्नेह और आदर के भाव को अभिव्यक्त किया है। तुलसीदास ने अपने साहित्य में सदाचार, मर्यादा और कर्तव्य पालन पर जोर दिया है। उन्होंने राम को मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में प्रस्तुत किया है, जो अपने वचनों और कर्मों में सदैव मर्यादा का पालन करते हैं। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पंडित पारसनाथ मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार,संरक्षक गुप्त काशी विकास परिषद ने कहा कि संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि तुलसीदास जी हिन्दी के ऐसे कवि हैं जिन्होंने काव्य रचना का मूल उद्देश्य लोक मंगल का हि विधान स्वीकार किया है। मंगल शब्द विभिन्न अर्थों में प्रयुक्त होता है शुभ, कल्याण, सौभाग्य, कल्याणप्रद, प्रसन्नता, आनंद इत्यादि। तुलसीदास जी ने दो कृतियां भी लिखी हैं जिसमें मंगल शब्द प्रयुक्त हुआ है, पार्वती मंगल और जानकी मंगल। परंतु जब मंगल लोक के साथ जोड़ दिया जाता है तो वहां कल्याण या आनंद या उल्लास अर्थ प्रधान करता है लोक मंगल का अर्थ है लोक कल्याण।रामचरितमानस उनकी कालजयी रचना है जिसमें लोकमंगल की भावना का विधान देखने को मिलता है। इसलिए इनके काव्य में राम गुणशीलता के दर्शन, लोक कल्याण समन्वय की भावना, भक्तिभावना, प्रकृति प्रेम, गुण महिमा, सत्संग, नारी चित्रण, दार्शनिकता और स्वान्तः सुखाय जैसी भाव भरी काव्य के दर्शन होते हैं । इसीलिए तुलसीदास को लोकमंगल का लोकनायक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने रामचरितमानस जैसे महाकाव्य की रचना की, जो आम लोगों की भाषा (अवधी) में थी और उनके जीवन, मूल्यों और आदर्शों को व्यक्त करती है। उन्होंने समाज में समन्वय, प्रेम, और भक्ति का संदेश दिया, जिससे वे लोगों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हुए और उन्हें 'लोकनायक' की उपाधि मिली। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सत्यपाल जैन ने कहा कि लोकमंगल का अर्थ है लोगों का कल्याण या जनता की भलाई। यह शब्द समाज के सभी लोगों के हित और सुख-शांति के लिए किए जाने वाले कार्यों को दर्शाता है। तुलसीदास भक्तिकाल की राम काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि है।कार्यक्रम का संचालन करते हुए जगदीश पंथी, राष्ट्रीय कवि भोजपुरी व राष्ट्रीय संचेतना समिति के संस्थापक ने कहा की तुलसी ने रामचरितमानस के ज़रिए भगवान राम की भक्ति को घर-घर तक पहुँचाया है।

25 हजार पेड़ों के हरियाली से हरा भरा होगा विधानसभाः संदीप,'पेड़ है तो प्राण है' के तहत नौजवानों ने लगाए पौधे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर तहसील क्षेत्र के पकरहट चतरा ब्लाक में गुरुवार को हुआ दर्जनों पौधारोपण। रॉबर्ट्सगंज विधानसभा401में 'पेड़ हैं तो प्राण हैं' अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा ने इस वर्ष रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र 401 के सभी नौजवानों से अपने घर पर पांच पौधे लगाने की अपील की है। उनका उद्देश्य है कि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ और सुखद वातावरण मिल सके। इस अभियान के अंतर्गत आज चतरा ब्लाक के पकरहट में पुजारी पटेल उर्फ बाबा की स्मृति में पेड़ लगाया गया व पेड़ लोगों को वितरित भी किया गया सभी लोगों ने सपथ ली कीजो पेड़ विश्वकर्मा पंकज पटेल गिरी बाबा चौधरी जी व सैकड़ों ग्रमीण उपस्थित रहे ग्राइणो में सैकड़ों पेड़ वितरित किया गया। संयोजक श्री मिश्रा ने बताया कि पूरे विधानसभा में लगभग 25 हजार पौधारोपण किया जाएगे हालांकि आवश्यकता अनुसार और भी पढ़ाया जा सकता है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर आयोजित हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन सभागार कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र में किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा पंचायती राज विभाग के जनपद एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किकया गया। अभिमुखीकरण कार्यशाला में डा0 आर0जी0 यादव-अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस प्रत्येक वर्ष दो चरणों (अगस्त एवं फरवरी) में मनाया जाता है। इस वर्ष प्रथम चरण में कृमि मुक्ति दिवस 11 अगस्त को मनाया जायेगा, जिसके अन्तर्गत समस्त स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत 01 से 19 वर्ष तक के आयु के बच्चों एवं किशोर / किशोरियों को अल्वेण्डाजॉल की गोली खिलाकर उन्हे कृमि मुक्त किया जायेगा तथा जो बच्चें किन्ही कारणवश 11 अगस्त 2025 को अल्बेण्डाजॉल की गोली खाने से वंचित रह जाते है उन्हे 14 अगस्त को माप-अप दिवस आयोजित कर अल्वेण्डाजॉल की गोली खिलाई जायेगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 01 से 19 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों एवं किशोर / किशोरियों को कृमि मुक्त करना है, ताकि उनके समग्र स्वास्थ्य, पोषण की स्थिति, शिक्षा तक पहुंच और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।कार्यक्रम के उप मुख्य चिकित्साधिकारी / नोडल अधिकारी डा0 कीर्ति आजाद बिन्द ने बताया कि जो बच्चा कृमि संक्रमण से ग्रसित रहता है उसमें उल्टी, दस्त, पेट दर्द, खून की कमी, बेचैनी, भूख नही लगना इत्यादि समस्याएं पैदा हो जाती है, जिससे बचाने हेतु अल्वेण्डाजॉल की गोली खिलाना अत्यन्त आवश्यक हो जाता है। उन्होने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सम्बन्धित विभाग योजनाबद्ध तरीके से तालमेल के साथ कार्य करें जिससे शत-प्रतिशत बच्चों को अल्बेण्डाजॉल की गोली खिलाई जा सके। कार्यशाला में डा0 प्रेमनाथ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 सूबेदार प्रसाद, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0 गिरधारी लाल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने किया विरोध दर्शन,मुख्यमंत्री नामित विभिन्न मांग पत्र देकर बुलंद की आवाज

सोनभद्र। प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन अधीक्षण अभियन्ता बिधुत विभाग सोनभद्र को सौपा जिला अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में हो रही बेतहाशा बिजली कटौती उ प्र विधूत नियामक आयोग के द्वारा 45फीसदी विधुत दरो को बढाये जाने का प्रस्ताव दिया गया है जो न तो जनहित में है न ही व्यापार हित में इसे वापस लिया जाय मा उर्जा मंत्री के द्वारा वैश्य (बनिया) समाज पर की गई अशोभनीय टिप्पणी सामाजिक ताने बाने को तोड़ने वाला है व्यापारी समाज प्रधानमंत्री के संकल्पना आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद को मजबूत करने का कार्य कर रहा है इस टिप्पणी से पूरा समाज आहत है इसकी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सख्त आदेश की जरूरत है बरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष संदीप सिहं चन्देल जिला महामंत्री राजेश बसल ने कहा कि जब उपभोक्ता बिल का भुगतान कर रहा है तो फिक्स चार्ज क्यो वसूला जा रहा है स्मार्ट मीटर 4'5 गुना अधिक रीडिंग दे रहे है चेक मीटरो ने भी साबित किया है युवा जिला अध्यक्ष रमेश जायसवाल जिला कोषाध्यक्ष अजीत जायसवाल ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने वाली दोनों कम्पनियो को गोवा में बलैक लिस्ट किया जा चुका है इस अनुबंध की समीक्षा कर इससे मुक्ति दिलाई जाय व्यापार मण्डल ने छोटे मझोले व्यापारियों नागरिको का विधुत कनेशन छोटे छोटे बकाया जैसे 500/2000/5000 की राशि पर काट दिया जा रहा है लेकिन बड़े प्रभावशाली लोगों विभागो के बकाया पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है जिससे आम नागरिको व्यापारियों में बड़े पैमाने पर असंतोष है व्यापार मण्डल ने सभी बिन्दुओं पर सरकार से विचार करते हुये उचित प्रभावी कार्यवाही करने की मांग करता है कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष प्रकाश केशरी जिला संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह जिला उपाध्यक्ष सजय जायसवाल नगर अध्यक्ष आन्नद जायसवाल जिला युवा उपाध्यक्ष आन्नद गुप्ता बलराम सोनी फल सब्जी मण्डी अध्यक्ष श्याम बाबू इलेक्ट्रॉनिक अध्यक्ष दिनेश गुप्ता आई टी सेल अध्यक्ष अजय केशरी सरदार गुरू बचन सिहं आदि व्यापारी गण उपस्थित थे।

रिलेशनशिप एडवाइज- सास हर बात पर टोकती है:पति को मेरे लिए स्टैंड लेना चाहिए, पर वो तो राजा बेटा है, खुद को कैसे प्रोटेक्ट करूं

नयी दिल्ली। सवाल: मैं एक साल से शादीशुदा हूं और अपने ससुराल वालों के साथ एक संयुक्त परिवार में रहती हूं। मेरी सास हमारे रिश्ते में लगातार हस्तक्षेप करती हैं, मेरे खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि मेरे पति के साथ बातचीत करने पर भी आलोचना करती हैं। मेरा पति अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें परेशान नहीं करना चाहता है। इसलिए वह उनका सामना करने से बचता है। इससे हमारे बीच तनाव बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि मेरी बात अनसुनी रह जाती है। मैं इस मसले पर कैसे बात करूं कि परिवार में कलह न पैदा हो? मैं चाहती हूं कि मेरा पति मेरे पक्ष में खड़ा हो, क्या मेरा ये उम्मीद करना गलत है? एक्सपर्ट: डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, दिल्लीजवाब: आपने अपनी परेशानी साझा की और मैं समझ सकती हूं कि आप इस समय कितना उलझन में हैं। शादी के एक साल बाद भी संयुक्त परिवार में ढलना आसान नहीं होता, खासकर जब सास का हस्तक्षेप और पति का चुप रहना आपके लिए तनाव का कारण बन रहा हो। आपने बताया कि आपकी सास आपके खाना पकाने, कपड़े पहनने और यहां तक कि पति के साथ बातचीत तक में टिप्पणी करती हैं। ऊपर से आपका पति अपनी मां से प्यार के चलते कुछ बोलने से बचता है। इससे आपको लगता है कि आपकी बात कोई नहीं सुन रहा। आप चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह सोच रही हैं कि क्या यह उम्मीद करना गलत है। चलिए इस परेशानी को एक-एक करके सुलझाते हैं। आपकी भावनाएं गलत नहीं हैं सबसे पहले तो यह स्वीकार करिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वह बिल्कुल ठीक है। कोई हर वक्त आपके काम में कमी निकाले तो दुख होना स्वाभाविक है। आप नई बहू हैं, नए घर में अपनी जगह बना रही हैं और ऐसे में सास की हर बात पर टोकाटाकी परेशान कर सकती है। यह भी सच है कि पति का चुप रहना आपको और अकेला महसूस कराता है। शादी के शुरुआती साल वैसे भी मुश्किल होते हैं, आप एक नया रिश्ता बना रही हैं, नए लोगों के साथ तालमेल बिठा रही हैं। ऐसे में अगर आपको गुस्सा, दुख या बेचैनी हो रही है तो खुद को दोष न दें। यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि आप अपने रिश्ते और परिवार को बेहतर करना चाहती हैं।आपकी परेशानी का सबसे बड़ा हिस्सा यह है कि आपका पति कुछ बोलता नहीं। लेकिन घबराइए मत, इसे ठीक करने का तरीका है, बातचीत। अपने पति से खुलकर बात करना इस समस्या को सुलझाने की पहली सीढ़ी है। यह बात ऐसी होनी चाहिए कि न वो परेशान हों, न सास नाराज हों और न ही घर में कोई लड़ाई हो।1. सही समय चुनें रात को खाने के बाद या वीकेंड पर, जब आप दोनों अकेले हों, तब बात शुरू करें। माहौल शांत हो, कोई जल्दी न हो ताकि आप आराम से अपनी बात कह सकें। 2. प्यार से रखें अपनी बात यह ध्यान रखें कि कहीं सास के कारण आप दोनों के बीच चीजें न बिगड़ जाएं। इसलिए गुस्से में बात न करें। बताएं कि आप सास के प्रति सम्मान का भाव रखती हैं, लेकिन उनके बेवजह दखल से दिक्कत हो रही है। 3. पति की परेशानी समझें- आपका पति अपनी मां को दुखी नहीं करना चाहता, यह उसका प्यार है। इसे स्वीकार करें। इसके बावजूद उन्हें स्पष्ट तौर पर बताएं कि आप उनकी मां के खिलाफ नहीं हैं, बस चाहती हैं कि आप दोनों मिलकर कुछ तय करें। 4. साथ मिलकर रास्ता निकालें- अपने पति को बताएं कि आपको अपनी सास की कौन-कौन सी बातें असहज करती हैं। इसके बाद दोनों लोग मिलकर एक रास्ता निकालें कि किस तरह उनको ये बात समझाई जाए, ताकि उनको इससे तकलीफ न हो। कुछ सीमाएं जरूरी हैं- हर रिश्ते में एक लकीर होनी चाहिए, जिससे पता चले कि कहां तक किसी का दखल ठीक है और कहां से परेशानी शुरू होती है। संयुक्त परिवार में यह और भी जरूरी है। आप और आपका पति मिलकर अपनी सास के साथ कुछ सीमाएं तय कर सकते हैं। क्या-क्या ठीक है, तय करें। घर में किसी बड़े की सलाह पारिवारिक बातों में ठीक है, पर खाना बनाने या कपड़ों में आपकी आजादी होनी चाहिए। अपनी बात नरमी से कहें। अगर सास कुछ कहें, तो मुस्कुरा के बोलें, कि आपकी सलाह अच्छी है पर मैं इसे अपने ढंग से करना चाहती हूं। पति का साथ जरूर लें। उन्हें कहें कि वो भी अपनी मां से बात करें। उन्हें अपनी मां को बताना होगा कि आपके काम से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। सीमाएं तय करने से सास को भी समझ आएगा कि आपको अपना स्पेस चाहिए और यह सब सम्मान के साथ हो सकता है। क्या पति से साथ मांगना गलत है? नहीं, बिल्कुल नहीं। आप यह चाहती हैं कि आपका पति आपके साथ खड़ा हो और यह हर शादीशुदा जोड़े का हक है। शादी में पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए ढाल बनते हैं। आपका यह सोचना गलत नहीं कि वो आपकी भावनाओं को समझे और आपका साथ दे। लेकिन यह भी सच है कि वो अपनी मां से प्यार करता है और उन्हें दुखी नहीं करना चाहता। यहां उन्हें बीच का रास्ता निकालना होगा। आप उन्हें यह समझा सकती हैं कि आपका साथ देना मां के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि आप दोनों के रिश्ते को मजबूत करना है। क्या करें कि सास के साथ रिश्ता न बिगड़े- सास-बहू के रिश्ते को लेकर समाज में टैबू है। कई मामलों में ये चीजें सही भी होती हैं। इसके बावजूद अगर सलीके से बैठकर अपनी बातें रखी जाएं तो बात बन सकती है।अगर सारी कोशिशों के बाद भी तनाव कम न हो तो किसी फैमिली काउंसलर से मिलने में न हिचकें। कोई बाहर का इंसान आपकी बात को नई नजर से देख सकता है और रास्ता बता सकता है। यह आपके रिश्ते को बचाने का एक अच्छा कदम हो सकता है। पति को समझाएं अपनी बात- आपकी परेशानी बड़ी लग रही होगी, पर यह हल हो सकती है। अपने पति से प्यार और सम्मान के साथ बात करें। सास के साथ मिलकर कुछ काम करें। आपका यह चाहना कि पति आपका साथ दे, बिल्कुल सही है। बस उन्हें अपनी मजबूरी भी समझने दें। आप अकेली नहीं हैं, हर संयुक्त परिवार में ऐसी बातें होती हैं और सही तरीके से कोशिश करने से सब ठीक हो जाता है। धीरे-धीरे, प्यार और समझदारी से, आप अपने घर में शांति और खुशी ला सकती हैं।

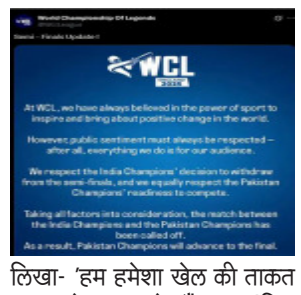

पाकिस्तान वेटरन लीग डब्लूसीएल के फाइनल में पहुंचा:भारत ने सेमीफाइनल खेलने से मना कर दिया था; चौथे नंबर पर रही इंडियन टीम

नयी दिल्ली। रिटायर्ड क्रिकेटर्स के टूर्नामेंट वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लूसीएल) में पाकिस्तान फाइनल में पहुंच गया है। डब्लूसीएल ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी। भारत ने पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल मैच खेलने से मना कर दिया था। यह मुकाबला 31 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना था। इससे पहले भारतीय प्लेयर्स ने पाकिस्तान के साथ 20 जुलाई को होने वाला ग्रुप मैच भी नहीं खेला था। तब मैच रद्द करके दोनों टीमों में अंक बांट दिए गए थे। लेकिन अब पाकिस्तानी टीम अपने ग्रुप में टॉप पर होने और चार जीत के साथ नौ अंक हासिल करने के कारण फाइनल में पहुंच गई है।वहीं, भारत छह टीमों वाले इस टूर्नामेंट में चौथे नंबर पर रहा। टीम को एक मैच में जीत और तीन में हार मिली, जबकि एक मैच बेनतीजा रहा। पाकिस्तान का मुकाबला दूसरे सेमीफाइनल के विजेता (ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका) से होगा।डब्लूसीएल ने एक्स पोस्ट में

लिखा- 'हम हमेशा खेल की ताकत पर भरोसा करते हैं। हालांकि, जनभावना का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए। आखिर हम जो कुछ भी करते हैं, अपने दर्शकों के लिए ही करते हैं। हम भारत चैंपियंस के सेमीफाइनल से हटने के फैसले का सम्मान करते हैं और पाकिस्तान चैंपियंस की प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी का भी सम्मान करते हैं। सभी बातों को ध्यान में रखते हुए भारत चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच का मैच रद्द कर दिया गया है। पाकिस्तान चैंपियंस फाइनल में जाएगा।' लीग की स्पॉन्सर कंपनी ईजमाई ट्रिप ने भी बुधवार को ही सेमीफाइनल मैच से हटने का ऐलान किया था। कंपनी के को-फाउंडर निशांत पिट्टी ने एक्स पोस्ट में लिखा था- 'हम डब्लूसीएल में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल कोई साधारण मैच नहीं है। आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकता।' 'ईजमाई ट्रिप भारत के साथ खड़ा है। हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो। कुछ चीजें खेल से भी बड़ी होती हैं। देश पहले, व्यापार बाद में।'"छ्छ्छ चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने 29 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर की विशेष चर्चा के दौरान एशिया कप में भारत के पाकिस्तान से मैच खेलने पर सवाल उठाया था। ओवैसी ने सरकार से पूछा था- 'क्या आपकी अंतरात्मा अनुमति देती है कि आप पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवार वालों से कहें कि अब भारत-पाक मैच देखिए। हमने पाकिस्तान का 80फीसदी पानी रोक दिया। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, फिर क्रिकेट खेलने की अनुमति कैसे दे सकते हैं?' 26 जुलाई को एशिया कप 2025 का शेड्यूल जारी होने के बाद से ही भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध हो रहा है। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में के बाद से ही लोग कह रहे हैं कि जिस देश से आतंकवाद आता है, उससे नहीं खेलना चाहिए।

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला- कबूतरों को दाना चुगाना परेशानी बनता है:यह सेहत के लिए भी खतरा; बीएमसी को दाना डालने वालों पर एफआईआर करने की परमिशन दी

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक रूप से परेशानी पैदा करने वाला है। यह मुद्दा जन स्वास्थ्य से जुड़ा है और सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर और संभावित खतरा है। 30 जुलाई को जस्टिस जीएस कुलकर्णी और जस्टिस आरिफ डॉक्टर की बेंच ने पशु प्रेमियों की दायर याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने मुंबई नगर निगम को दाना डालने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा कोर्ट ने बीएमसी को शहर के कबूतरखानों में कबूतरों के जमावड़े को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने और कड़े उपाय लागू करने का निर्देश भी दिया। दरअसल, 3 जुलाई को इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बीएमसी को किसी भी पुराने विरासती कबूतरखाने को ध्वस्त करने से रोक दिया था, लेकिन कहा था कि दाना डालने की अनुमति नहीं दे सकती। पल्लवी पाटिल, स्नेहा विसारिया और सविता महाजन ने याचिका में दावा किया था कि बीएमसी का यह काम पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन करता है।सुनवाई के दौरान कोर्ट की बड़ी बातें...अनुमति न मिलने के बावजूद लोग कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालना जारी रखे हुए हैं। अब यह स्थिति और भी जटिल हो गई है, क्योंकि पिछले आदेश में याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। नगर निगम के अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका जा रहा है। कानून की अवहेलना की जा रही है। हम बीएमसी को ऐसे किसी भी व्यक्ति और समूहों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं।महाराष्ट्र सरकार ने 3 जुलाई 2025 को विधायी सदन में घोषणा की कि मुंबई के सभी 51 कबूतरखानों को तत्काल बंद किया जाएगा। उसी दिन बीएमसी को निर्देशित किया गया कि सारे फीडिंग स्पॉट बंद होने के बाद वहां पर दाना डालने वालों के खिलाफ 500 का जुर्माना लगाया जाए।

चेस वर्ल्ड कप विजेता दिव्या देशमुख का नागपुर में स्वागत:परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय; फाइनल में कोनेरू हम्पी को हराया था

नयी दिल्ली। जॉर्जिया के बटुमी में खत्म हुई चेस वर्ल्ड कप में जीतने वाली 19 साल की दिव्या देशमुख का नागपुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। बुधवार को जब वे अपने गृहनगर नागपुर लौटीं, तो हवाई अड्डे पर उनके रिश्तेदारों और प्रशंसकों ने उनका भव्य स्वागत किया। दिव्या ने इस टूर्नामेंट में भारत की अनुभवी खिलाड़ी कोनेरू हम्पी को टाई-ब्रेकर में हराकर यह खिताब अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों के बीच दो क्लासिकल गेम ड्रॉ रहे थे, जिसके बाद टाई-ब्रेकर में दिव्या ने जीत हासिल की। इस जीत ने दिव्या को ग्रैंडमास्टर (जीएम) का खिताब दिलाया, साथ ही उन्हें कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह और 50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 42 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि भी मिली। दिव्या ने टूर्नामेंट में अंडरडॉग के रूप में हिस्सा लिया था और उनका लक्ष्य केवल जीएम-नॉर्म हासिल करना था, लेकिन उन्होंने सभी को चौंकाते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।दिव्या अपनी मां के साथ नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंची दिव्या अपनी मां के साथ बटुमी से मुंबई होते हुए नागपुर पहुंचीं। हवाई अड्डे पर उनके प्रशंसक और रिश्तेदार पहले से ही उनके स्वागत के लिए मौजूद थे। दिव्या ने स्वागत पर खुशी जताते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी हो रही है कि इतने

सारे लोग मेरा स्वागत करने आए हैं। शतरंज को इतना सम्मान मिल रहा है, यह मेरे लिए गर्व की बात है। परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय दिव्या ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार और अपने पहले कोच राहुल जोशी को दिया, जिनका 2020 में 40 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता ने मेरे करियर में सबसे बड़ा योगदान दिया है। उनके बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच पाती। मेरी बहन आर्या देशमुख, मेरे दादा-दादी, और मेरे पहले कोच राहुल जोशी सर का भी बहुत बड़ा हाथ है। राहुल सर हमेशा चाहते थे कि मैं ग्रैंडमास्टर बनूं, और यह जीत उनके लिए है। दिव्या ने ग्रैंडमास्टर अभिजीत कुंटे को भी अपनी सफलता का भागीदार बताया। उन्होंने कहा कि अभिजीत सर मेरे लिए लकी चार्म हैं। जब भी वे मेरे साथ होते हैं, मैं ट्रॉफी जीतती हूं। 2 से 16 सितंबर तक उज्बेकिस्तान में होने वाले ग्रैंड स्विस में हिस्सा लेंगी विश्व कप की जीत के बाद दिव्या अब कुछ समय आराम करना चाहती हैं। इसके बाद वे उज्बेकिस्तान के समरकंद में 2 से 16 सितंबर तक होने वाले ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि इस महीने मैं थोड़ा आराम करूंगी और अगले महीने ग्रैंड स्विस में खेलूंगी। दिव्या की इस उपलब्धि ने न केवल नागपुर बल्कि पूरे देश को गर्व से भर दिया है। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें शतरंज की दुनिया में एक नया सितारा बना दिया है।

भारत को लॉर्ड्स में 30 ओवर पुरानी बॉल दी,रिपोर्ट में दावा,अंपायरों ने टीम से कहा- स्टॉक में 10 ओवर पुरानी गेंद नहीं

नयी दिल्ली। इंग्लैंड दौरे पर गई टीम इंडिया 5 टेस्ट की सीरीज में 1-2 से पीछे है।

अब एक नया विवाद सामने आया है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान टीम इंडिया की दूसरी नई गेंद जब 10 ओवर के बाद चेंज की गई, तब टीम इंडिया को 30-35 ओवर पुरानी गेंद दी गई। गेंद बदलने के नियम को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन ने नाराजगी जताई है। भारतीय टीम ने इस मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी के सामने उठाया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक एकदम वैसी ही गेंद मिलना संभव नहीं होता। अंपायर कोशिश करते हैं कि जो गेंद बदली जा रही है, उसी जैसी रिप्लेसमेंट गेंद मिले। यह ज्यादा पुरानी भी हो सकती है और कुछ नई भी। एक 60 ओवर पुरानी गेंद किसी सूखी पिच पर 30 ओवर पुरानी गेंद का विकल्प बन सकती है। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम के साथ यही हुआ था, जब टीम इंडिया ने इंग्लिश पारी के कुछ ही ओवर के बाद गेंद बदलने की मांग की दी। नई बॉल गेज टेस्ट में फेल हो गई और भारत को पुरानी बॉल मिल गई। कप्तान गिल और सिराज इसी बात से नाखुश थे। जैसे लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन सुबह गेंद डी-शेप हो गई थी। लेकिन, स्विंग कर रही थी। लॉर्ड्स में हुए तीसरे टेस्ट में गेंद बदलने की प्रक्रिया में इंग्लैंड को फायदा मिला, जिसके कारण भारत को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा।मीडिया रिपोर्ट में बीसीसीआई के अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि दूसरी नई गेंद जब 10 ओवर के बाद चेंज की गई, तब टीम इंडिया को 30-35 ओवर पुरानी गेंद दी गई। भारतीय टीम का कहना है कि नई गेंद स्विंग और सीम कर रही थी, लेकिन पुरानी गेंद से गेंदबाजों को वह प्रभाव नहीं मिला। इससे इंग्लैंड के बल्लेबाजों को फायदा हुआ और उन्होंने महत्वपूर्ण साझेदारी की। मैच में भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने 14 गेंदों में तीन विकेट ले चुके थे, जिसमें बेन स्टोक्स, जो रूट और क्रिस वोक्स का विकेट शामिल थे। लेकिन गेंद बदलने के बाद भारतीय गेंदबाजों को स्विंग नहीं मिली। इंग्लैंड के जेमी स्मिथ (51 रन) और ब्रायडन कार्स (56 रन) ने 84 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड को 271/7 से 355/8 तक पहुंचाया। यह साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई।भारतीय टीम के एक अधिकारी ने बताया कि गेंद बदलने से पहले उन्हें यह नहीं बताया गया कि नई गेंद 30-35 ओवर पुरानी होगी। अगर यह पहले बताया जाता, तो वे खराब गेंद से ही खेलना पसंद करते। उन्होंने कहा कि आईसीसी को इस पर विचार करना चाहिए। भारतीय टीम ने गेंद चुनने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। नियम के अनुसार, चौथा अंपायर (जो मेजबान देश का होता है) ड्रेसिंग रूम में गेंदों का डिब्बा लेकर आता है और टीम को दो गेंदें चुनने को कहा जाता है। भारतीय अधिकारी ने बताया कि कई बार डिब्बे में सिर्फ एक गहरे रंग की गेंद होती है, जो ज्यादा स्विंग करती है। जब भारत ने ऐसी गेंद मांगी, तो बताया गया कि वह गेंद इंग्लैंड ने पहले ही चुन ली है। भारतीय टीम का सुझाव है कि गेंद चुनने की प्रक्रिया मैच रेफरी की मौजूदगी में होनी चाहिए न कि ड्रेसिंग रूम में, जहां सिर्फ स्थानीय अंपायर मौजूद होता है। उनका कहना है कि इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और घरेलू टीम को अनुचित फायदा नहीं मिलेगा।

महिला एथलीट्स को जेंडर टेस्ट कराना होगा-वरना वर्ल्ड चैंपियनशिप में नहीं खेल सकेंगी,वर्ल्ड एथलेटिक्स ने एसआरवाई जीन टेस्ट लॉन्च किया

नयी दिल्ली। महिला एथलीट्स को अब जीवन में एक बार जेंडर टेस्ट कराना जरूरी हो गया है। इसके लिए बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स काउंसिल ने एसआरवाई जीन टेस्ट लागू किया है। जो खिलाड़ी इस टेस्ट से नहीं गुजरेगी, वह वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले सकेगी। यह कानून बीते सालों में जेंडर चेंज कराके महिला बनकर कॉम्पिटिशन में उतरने वाली खिलाड़ियों को रोकने के लिए बनाया गया है। ये नियम 1 सितंबर 2025 से लागू होगा। 13 सितंबर से टोक्यो में होने जा रही वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिला एथलीट्स इस टेस्ट को पास किए बिना भाग नहीं ले सकेंगी। वर्ल्ड एथलेटिक्स के अनुसार, यह टेस्ट लाइफ में एक बार ही कराना होगा। गाल से स्वैब या ब्लड सैंपल के जरिए टेस्ट होगा, जिससे खिलाड़ी के जेंडर की पहचान होगी।वर्ल्ड एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबास्टियन कोए ने कहा- 'महिला खेलों की गरिमा और निष्पक्षता की रक्षा करना हमारा लक्ष्य है। हमारा मानना है कि अगर कोई महिला खेलों में आए, तो उसे यह विश्वास होना चाहिए कि वहां जैविक (बायोलॉजिकल) बाधा नहीं है। बायोलॉजिकल जेंडर की पुष्टि करना एक महत्वपूर्ण कदम है। हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि विमेंस कैटेगरी में कम्पीट करने के लिए आपको बायोलॉजिकल तौर पर महिला होना चाहिए। यह हमेशा से क्लियर था कि बायोलॉजिकल जेंडर से ऊपर लिंग पहचान नहीं हो सकती।' एक साल पहले पेरिस ओलिंपिक के दौरान बॉक्सिंग में भी जेंडर विवाद हुआ था। तब अल्जीरिया की मुक्केबाज इमान खलीफ पर पुरुष होने के आरोप लगे थे। उनकी प्रतिद्वंद्वी ने यह कहकर मुकाबला छोड़ दिया था कि मुझे पुरुषों से भिड़ा दिया गया है।10 सवाल और जवाब में समझिए एसआरवाई जीन टेस्ट- 1. एसआरवाई टेस्ट जीवन में कितनी बार कराना होगा? केवल एक बार। यदि वाई क्रोमोसोम नहीं है, तो एथलीट महिला वर्ग में सभी वर्ल्ड रैंकिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले सकेगी। 2. टेस्ट का परिणाम आने में कितना समय लगता है? सैंपल देने के बाद 1 से 2 सप्ताह लग सकते हैं। 3. टेस्ट कौन कराएगा? वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए हर देश का नेशनल फेडरेशन अपने एथलीटों के टेस्ट कराएगा। भारतीय एथलीट्स के लिए इंडियन एथलेटिक्स एसोसिएशन यह टेस्ट कराएगा। इसमें वर्ल्ड एथलेटिक्स प्रति टेस्ट 100 अमेरिकी डॉलर तक की मदद देगा। 4. एसआरवाई टेस्ट कितना सटीक है? यह टेस्ट बहुत सटीक और वैज्ञानिक रूप से विश्वसनीय है, खासकर जब सही प्रयोगशाला तकनीक इस्तेमाल की जाए। 5. क्या टेस्ट के दौरान एथलीट कम्पीट कर सकते है? नहीं। महिला वर्ग में भाग लेने की पात्रता 1 सितंबर 2025 तक पूरी करनी होगी। 6. गोपनीयता कैसे सुनिश्चित की जाएगी? टेस्ट परिणाम केवल एथलीट के पास रहेंगे। केवल वर्ल्ड एथलेटिक्स मेडिकल मैनेजर ही एथलीट की अनुमति से एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर इसे देख सकता है। 7. अगर एथलीट टेस्ट परिणाम से असहमत हो तो? वह टेस्ट करवाने वाले से दोबारा परीक्षण की मांग कर सकता है या कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट में अपील कर सकता है। 8. क्या यह टेस्ट मानवाधिकारों के मानकों पर खरा उतरता है? वर्ल्ड एथलेटिक्स ने व्यापक विचार-विमर्श के बाद यह टेस्ट लागू किया है ताकि महिला वर्ग की निष्पक्षता और समावेशन को बनाए रखा जा सके।

क्या है आपके पिया का टाइटल- परफेक्ट, कम्प्लीट या 'होल मैन'?

युगों से पूरी दुनिया में महिलाएं अपने पार्टनर के तौर पर एक 'परफेक्ट मैन' की तलाश में रहती हैं। फिर एक टेक्सटाइल कंपनी आई, जिसने उसके उत्पाद पहनने वाले पुरुषों को 'कम्प्लीट मैन' की श्रेणी में प्रदर्शित करना शुरू किया। लेकिन विश्व में महिलाएं अपनी पसंद को लेकर इससे आगे निकल चुकी हैं। अब वे अपने पार्टनर के रूप में एक 'होल मैन' चाहती हैं। दुनिया भर में कई महिलाओं के लिए यह एक नया ट्रेंड बन गया है कि वे अपनी दोस्तों के बीच गुप्त रूप से अपने पति के बारे में इस नए टाइटल से बात करती हैं। पहला गुण, जो उनमें नहीं होता, वो यह है कि वे इस विचार में विश्वास नहीं करते कि 'यदि आप अपनी श्रेष्ठता नहीं दिखा रहे हैं तो आप लूजर हैं।' उन्हें लगता है कि यह सोच अपने आप में बकवास है और पुरुषत्व को बढ़ावा देने वाले लोग इसे बचपन से ही थोप देते हैं। तो 'होल मैन' का मतलब क्या है? कुल मिलाकर, वह अधिकांश अच्छे मानवीय गुणों वाला सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति है। वह मजबूत है, लेकिन चोट खाने से नहीं डरता। वह अपने रोजमर्रा के जीवन में स्मार्ट है। कभी-कभी मजाकिया भी और अन्य जीवों के प्रति दयालु है। जरूरत के मुताबिक भावुक और सहायक है, लेकिन आवश्यकता पड़ने पर मजबूत भी है। समूह में वह मृदु स्वभाव वाले, किंतु सबसे मजबूत हैं। वे दूसरों को रुलाकर खुद को बड़ा दिखाने के बजाय दूसरों को सहज महसूस कराते हैं। यहां 'होल मैन' की ऐसी कुछ चुनिंदा खासियतें पेश हैं, जिन्हें महिलाएं अपने पुरुषों में देखना चाहती हैं। 1. वे लेखकों, गायकों, स्टैंड-अप कॉमेडियनों के कार्यक्रमों, पॉडकास्टरों के टॉक शो में शामिल होते हैं। खासतौर पर उनमें जो महिलाओं द्वारा आयोजित किए जाते हों। वे यह नहीं मानते कि उन्हें यह कार्यक्रम पसंद नहीं आएगा, क्योंकि यह महिलाओं द्वारा बनाया गया है। वे लिफ्ट में महिलाओं को पहले जाने देते हैं। जिस जगह भी हों, महिलाओं के लिए दरवाजा खोलते हैं। 2. 'होल मैन' की कई महिला मित्र होती हैं, और वे उन्हें मजाक का पात्र नहीं बनाते। उन्हें इस बात से भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनकी पत्नियों के भी कई पुरुष मित्र हैं। वे दोस्तों के सामने अपने पार्टनर को नीचा नहीं दिखाते। 3. वे किसी विशेष खेल को पसंद करते हैं और उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि इसे पुरुष खेल रहे हैं या महिलाएं। उदाहरण के लिए, वे ऐसी डींगें नहीं मारते कि उन्हें पुरुष क्रिकेट के बारे में छोटे-छोटे आंकड़े भी पता हैं। और इस बात से भी अनजान नहीं रहते कि महिला क्रिकेट टीम की कप्तान कौन है। 4. कामकाज में वो महिला अधिकारी की असहमति से घबराते नहीं हैं। वॉशरूम में महिला बॉस के बारे में शिकायत या अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं करते। अगर गलती हो जाती है तो वे इसे स्वीकार कर माफी मांग लेते हैं, बिना यह देखे कि कौन उन्हें देख रहा है या वह किसके सामने माफी मांग रहे हैं। 5. उन्हें इस बात का कोई पुरस्कार नहीं चाहिए कि वे बच्चों को स्कूल छोड़ते हैं, उनके स्पोर्ट्स-डे पर जाते हैं या बिना सूचना के होने वाली 'डैड्स रेस' में हिस्सा लेते हैं। वे यह सब अपने बच्चों की खुशी के लिए करते हैं। मेरे लिए ये 'होल मैन' कई जगह हैं, लेकिन उन्हें इस बात का पर्याप्त श्रेय नहीं मिलता कि वे गृहस्थी को सुचारु रुप से चला रहे हैं। काम पर शांत और जानकार बनकर, सड़कों पर सभ्य और सम्मानजनक रहकर, ट्रेनों और बसों में 'मैनस्प्रेडिंग' (पास की सीट पर अतिक्रमण) नहीं करके, और घर पर सभी का सहयोग करके। हां, अधिकतर 'होल मैन' में एक सबसे बड़ी कमी होती है, जो आमतौर पर महिलाओं को खटकती है। वे कपड़े धोना नहीं जानते। हां, वे वॉशिंग मशीन को कपड़े के हिसाब से सेट नहीं कर पाते। सूखे कपड़ों को बिना सिलवटों के स्टैंड पर नहीं टांग सकते, और सूखे कपड़ों की तह भी नहीं कर सकते। ऐसा इसलिए, क्योंकि वे चिकित्सकीय तौर पर ऐसा करने के लिए लगभग अक्षम होते हैं। खासकर, अपने साथी की पसंद के अनुरूप। फंडा यह है कि चाहे 'होल मैन' को पार्टनर के रूप में पाना गर्व की बात हो, लेकिन भारतीय संस्कृति में रची-बसी महिलाएं हमेशा से एक 'होल फैमिली' (पूर्ण परिवार) का सपना देखती हैं। इसलिए, इसको ऐसा भी कह सकते हैं- भारतीय महिलाएं केवल 'होल मैन' के बजाय 'होल फैमिली' पसंद करती हैं।'

लोगों की आवाजाही ना सिर्फ परिवहन बल्कि समग्र विकास को भी बढ़ाती है

इस रविवार की शाम मैं पूर्वोत्तर के ऐसे व्यक्ति से मिला, जो 28 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होने वाले दुर्गापूजा महोत्सव के लिए मुम्बई से सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। उन्होंने अपना पूरा दिन इस योजना में बिता दिया कि कैसे सस्ती यात्रा की जाए। मैंने उनसे पूछा कि चंद टिकट बुक करने में इतना समय क्यों लगा? उन्होंने मुझे उन फ्लाइट की कीमतों के बारे में बताया, जिनसे पहले वो ससुराल वालों से मिलने कोलकाता और फिर अपने माता-पिता के पास सिलीगुड़ी जाना चाहते थे। 17 सितंबर तक कोलकाता की फ्लाइट टिकट करीब 4098 रुपए की है, जो धीरे-धीरे दोगुनी हो रही है और मुख्य पूजा के आसपास पांच अंकों में पहुंच जाती है। बस बुकिंग ऐप के अनुसार, दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता से सिलीगुड़ी की बस यात्रा भी आपको 4 से 5 हजार रु. के बीच पड़ सकती है। इन बसों का नियमित किराया 1300 से 1500 रु. के बीच है। जबकि सप्ताहांत समेत पीक अवधि में 1800 से 2500 रु. में टिकट मिल पाते हैं। वो व्यक्ति योजना बना रहा था कि अपने परिवार को तो 17 सितंबर से पहले भेज देगा और खुद मुख्य पूजा के दिनों में जाएगा। वापसी में भी परिवार अलग-अलग तारीखों पर यात्रा करेगा, क्योंकि वीकेंड में 4-5 अक्टूबर को किराया बहुत अधिक है। और उन्हें 6 अक्टूबर को काम पर लौटना है। चूंकि ट्रेन की बर्थें पहले ही बुक हो चुकी हैं, इसलिए उनके जैसे कई लोग कड़ी मेहनत कर रहे हैं, ताकि उत्सव के दिनों में परिवार समेत गृहनगर पहुंच पाएं और फिर वापस देश के पश्चिमी या दक्षिणी राज्यों में काम पर लौट सकें। 574 किमी लंबे कोलकाता से सिलीगुड़ी मार्ग के लिए वोल्वो बस का किराया 8 रुपए प्रति किमी से अधिक है। टिकट की कीमत 5 हजार रुपए है। यदि कोलकाता से इंदौर मार्ग से इसकी तुलना करें तो इसी वोल्वो में 24 से 26 सितंबर के बीच किराया 3800 रुपए है, जो 1620 किमी की यात्रा के लिए 2.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। यहां तक कि 1940 किमी लंबाई वाले देश के सबसे लंबे मार्गों में से एक जोधपुर-बेंगलुरु रूट पर भी वोल्वो का किराया 2550 रुपए है, जो महज 1.3 रुपए प्रति किमी पड़ता है। बीते पांच दशक में भारतीय निजी बस उद्योग में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। 1961 में निजी क्षेत्र में जहां सिर्फ 38 हजार बसें चलती थीं, वहीं 2019 तक यह संख्या बढ़कर 18.9 लाख से अधिक हो गई। 60 साल से भी कम समय में 47 गुना की बढ़ोतरी हुई है।2019 तक भारत की सड़कों पर चलने वाली 93 प्रतिशत से अधिक बसें निजी क्षेत्र में थीं, जिनमें 6.64 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर भी देखी गई। 2026 तक इनकी कीमत 1.04 लाख करोड़ रुपए होना अनुमानित है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में बस किरायों में अंतर साफ दिखता है। बेंगलुरु से चेन्नई के लिए एक एसी सीटर बस का किराया महज 400 रुपए हो सकता है (दूरी 347 किमी)। उत्तर की ओर जाएं तो दिल्ली-लुधियाना मार्ग का किराया सामान्य रूप से 550 रुपए है (दूरी 307 किमी)। लेकिन यदि पूर्व में देखें तो गुवाहाटी-डिब्रूगढ़ मार्ग का किराया 650 रुपए या इससे कुछ अधिक है (दूरी 279 किमी)। ये सभी दरें अनुमानित हैं। इस असमानता का कारण क्या है? जवाब है- ग्राहक की मांग और बाजार की आपूर्ति। चूंकि पूर्वोत्तर राज्य रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया नहीं करा पा रहे हैं तो उन्हें चाहिए कि भले वे स्थानीय लोगों को रियायती यात्रा ना दें, लेकिन उचित कीमत पर परिवहन तो उपलब्ध कराएं। ताकि वहां की आबादी दूसरे राज्यों में जाकर जीवनयापन कर सके।

राज्यसभा सभापति खिलाड़ी नहीं, अम्पायर की तरह हों

चौदह साल पहले दिल्ली की वो उमस भरी सुबह मुझे आज भी याद है। जीवन में पहली बार मैं संवैधानिक पद पर बैठे किसी व्यक्ति से मिला था। वे तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी थे। वह संसद में मेरा पहला दिन भी था। शपथ-ग्रहण के बाद उन्होंने पहली बार सांसद बने हम कुछ नेताओं को कॉफी पर बुलाया। बातचीत चलती रही। जब उन्होंने देखा कि गपशप करते हुए 15 मिनट से अधिक हो गए हैं, तो उन्होंने हमें चर्चा जारी रखने के लिए अपने घर पर बुलाया। हम कुछ दिनों बाद उनके घर भी गए। यह हमारे लिए रोमांचक था कि दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति ने हम जैसे नए सांसदों से मिलने के लिए समय निकाला। एक राजनयिक के रूप में हामिद अंसारी का लंबा और प्रतिष्ठित करियर रहा था। वे भारत सरकार के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल, ऑस्ट्रेलिया में उच्चायुक्त, संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि, अफगानिस्तान, ईरान और सऊदी अरब में राजदूत रहे थे। फिर वे भारत के 12वें उपराष्ट्रपति बने। कोलकाता में जन्मे अंसारी के बारे में जो बात कम ही लोग जानते हैं, वो ये है कि वे अपने कॉलेज के लिए मध्य क्रम के विकेटकीपर-बल्लेबाज भी थे। वास्तव में ईरान में राजदूत रहते हुए उन्होंने भारतीय दूतावास के कर्मचारियों के लिए क्रिकेट शुरू करवाया था। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने ईरान में इस खेल को लोकप्रिय बनाया। राज्यसभा के सभापति के तौर पर अंसारी ने विधान-परिषदों में कई इनोवेशन किए। संसद-सत्र के दौरान अंसारी रोज सुबह 10:30 से 10:55 तक कॉफी मीटिंग करते थे। सदन के नेताओं के साथ इस अनौपचारिक बातचीत से सत्तापक्ष और विपक्ष को दिन भर की कार्यवाही में सामंजस्य बनाने में मदद मिलती थी। सभापति के तौर पर अंसारी का एक नियम अटल था : कोई भी विधेयक हंगामे के बीच पारित नहीं होगा। इससे यह सुनिश्चित हुआ था कि तत्कालीन सरकार कोई भी कानून जबरन नहीं थोप सकती थी। प्रश्नकाल और शून्यकाल के समय में बदलाव का पूरा श्रेय भी अंसारी को ही जाना चाहिए। बीते छह दशकों से प्रश्नकाल सुबह 11 बजे शुरू होता आ रहा था। इसके बाद दोपहर 12 बजे से शून्यकाल होता था। अंसारी को लगा कि प्रश्नकाल अकसर हंगामे की भेंट चढ़ता है, क्योंकि सदस्य दिन की शुरुआत में ही महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाना चाहते हैं। 2014 में अंसारी ने इसमें बदलाव किया। अब राज्यसभा में पहले 11 बजे से शून्यकाल होता है, जिसमें सदस्य तात्कालिक जनहित के मुद्दे उठाते हैं। 12 बजे से प्रश्नकाल शुरू होता है। अंसारी के दृष्टिकोण को इस कथन से समझा जा सकता है- 'राज्यसभा का सभापति खिलाड़ी नहीं, बल्कि अम्पायर हैष्ठ यदि आप खिलाड़ी बनते हैं तो पक्षपाती हो जाते हैं।' सेवानिवृत्ति के बाद वे दिल्ली में सुखद जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। दूसरे जिन उपराष्ट्रपति के सम्पर्क में मुझे आने का सौभाग्य मिला, वे थे वेंकैया नायडू। एक अनुभवी सांसद, जो ग्रामीण विकास, शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन, सूचना और प्रसारण के साथ संसदीय कार्य मंत्रालय के मंत्री भी रहे थे। इतिहास नायडू के प्रति उदार रहेगा, क्योंकि उन्होंने 20 सितम्बर 2020 को उस दिन सदन की अध्यक्षता नहीं की थी, जब विवादित कृषि कानून जबरन पारित कराए गए थे। शायद इसलिए क्योंकि वे कृषक-परिवार में जन्मे थे।उनका चैम्बर हो या सदन, दोनों ही जगह नायडू हर किसी से एक ही लहजे में बात करते थे- फिर चाहे वे सत्तापक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के। यह सराहनीय है। जब भी वे हमें उपराष्ट्रपति भवन में भोजन पर आमंत्रित करते थे तो वहां मिलने वाले आंध्रप्रदेश के स्वादिष्ट भोजन के लिए श्रीमती नायडू को भी बराबर का श्रेय जाता है। एक बार उन्होंने कहा था कि भले ही वे बाहर सभापति होंगे, लेकिन घर में उनका भी एक गृहमंत्री है।नायडू को चुटीले 'वन लाइनर' बहुत पसंद थे। एक बार जब विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए बाहर जा रहे थे तो उन्होंने कहा था- 'लर्न, अर्न एंड रिटर्न'। यानी सीखना, कमाना और फिर लौट आना। जब उनसे राष्ट्रपति बनने की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा वे 'उषापति' बनकर ही खुश हैं।उनकी पत्नी का नाम उषा है। उनका एक और मशहूर कथन था- 'द लेफ्ट कैन नेवर बी राइट'। नायडू का हास्यबोध जितना अच्छा था, वे उतने ही भावुक भी थे। जब भावनात्मक मुद्दों पर चर्चा होती, उनकी आंखें नम हो जाया करती थीं।14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मेरे कॉलम का विषय होंगे। लेकिन किसी और दिन! भारत के 12वें उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी क्रिकेटप्रेमी और इनोवेटिव थे। वहीं 13वें उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अपने हास्यबोध और भावुकता के लिए जाने जाते थे। दोनों ही अनुभवी और पद की गरिमा का ध्यान रखने वाले थे। (ये लेखक के अपने विचार हैं। इस लेख के सहायक शोधकर्ता आयुष्मान डे हैं) डेरेक ओ ब्रायन

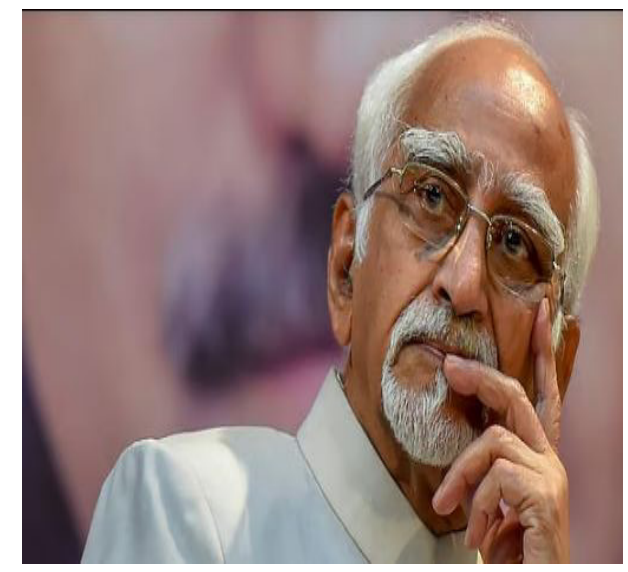

मध्य-पूर्व की शांति आगामी तूफानों का संकेत देती है

मध्य-पूर्व आज एक भ्रमित कर देने वाली शांति की स्थिति में है। गाजा में हमास, लेबनान में हिजबुल्ला जैसे उग्रवादी समूहों और सीरिया में असद शासन के पतन ने इस क्षेत्र के चिरस्थायी तूफानों में क्षणिक विराम ला दिया है। जिन छद्म युद्धों का दायरा तेहरान से बगदाद और दमिश्क होते हुए भूमध्य सागर तक फैला था, वो अब बिखरा हुआ मालूम होता है।यमन के हूती आज इकलौती ऐसी विघटनकारी शक्ति बने हुए हैं, जो लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों के लिए खतरा बने हुए हैं, लेकिन उस क्षेत्रीय मोमेंटम के बिना जो कभी ईरान समर्थित रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को परिभाषित करता था।और इसके बावजूद इस स्थिरता के स्थायी रहने की संभावना नहीं है। उलटे यह एक और बड़े, विनाशकारी तूफान का केंद्र हो सकता है। संघर्ष के फिर से उभरने की स्थितियां न केवल बरकरार हैं, बल्कि और बढ़ गई हैं- खासकर इजराइली फौजों द्वारा गाजा में अभूतपूर्व हिंसा और विनाश के बाद। दुनिया ने देखा कि गाजा पर व्यवस्थित रूप से हमला किया गया, रहवासी बस्तियों को तहस-नहस किया गया और हजारों नागरिक मारे गए। इजराइल ने इसके लिए चाहे जिस राजनीतिक या सैन्य उद्देश्य का दावा किया हो, लेकिन जो तस्वीरें और नैरेटिव सामने आए, उन्होंने फिलिस्तीनियों, व्यापक अरब-जगत और मुस्लिम आबादी के बीच क्रोध, निराशा और पीड़ित होने की भावना को जन्म दिया है।गाजा का यह जनसंहार एक नई वैचारिक और उग्रवादी लहर के उभरने का आधार बन सकता है। यह समझना जरूरी है कि मध्य-पूर्व ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां ऐतिहासिक शिकायतें चुपचाप मिट जाती हों। बल्कि यह ऐसा क्षेत्र है, जहां पीढ़ियों तक पीड़ा की भावनाओं को संजोया जाता है और जहां प्रतिशोध लेना सांस्कृतिक मुद्रा और राजनीतिक साधन दोनों है।गाजा युद्ध ने इजराइल-फिलिस्तीनी संघर्ष को समाप्त नहीं किया, केवल इसके परिदृश्य को बदल दिया है। हमास के सैन्य और राजनीतिक रूप से कमजोर होने के साथ ही अब नए संगठनों के उदय का रास्ता खुल गया है, जो अपने लक्ष्यों और तरीकों में अधिक सुगठित, कट्टरपंथी और संभवतः अधिक अंतरराष्ट्रीय हों।इतिहास एक गंभीर मिसाल पेश करता है। आईएसआईएस का उदय शून्य में नहीं हुआ। यह इराक के सुन्नियों के राजनीतिक हाशिए पर जाने, सद्दाम हुसैन के बाथिस्ट तंत्र के विघटन और कब्जे के घावों से पैदा हुआ था।आईएसआईएस सिर्फ एक आतंकवादी समूह नहीं था, बल्कि एक अर्ध-राज्यीय शक्ति भी थी, जिसने सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया और समांतर युद्ध की वैश्विक समझ को उलट-पुलट कर दिया। आज पूरे क्षेत्र में ऐसे ही तत्व मौजूद हैं : मताधिकार से वंचित युवा, विस्थापित परिवार, पारंपरिक राजनीतिक ढांचों से मोहभंग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा त्यागे जाने की भावना। ये हालात कट्टरपंथ के लिए उपजाऊ हैं।इसके अलावा, गाजा के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। विनाश के पैमाने और तीव्रता का अरब-जगत पर खासा प्रभाव पड़ा है। अरब सरकारों ने भले ही सतर्कतापूर्ण या दुविधापूर्ण रुख अपनाया हो, लेकिन जनभावनाएं नाटकीय राज्य की नीतियों- जो अक्सर व्यावहारिक राजनीति और विदेशी गठबंधनों द्वारा तय होती हैं- और उनकी जनता की नब्ज के बीच मौजूद एक बड़े अंतर को दर्शाता है।यह असंगति एक खतरनाक गतिशीलता पैदा करती है, जहां जनाक्रोश पारंपरिक राजनीतिक दायरे से बाहर निकलने का रास्ता तलाशता है। अगर इसे दबाया या नजरअंदाज किया गया तो यह ऊर्जा और भी गुप्त और हिंसक रूपों में अभिव्यक्त होगी।एक और अनदेखा किया गया पहलू गाजा युद्ध की अंतरराष्ट्रीय प्रतिध्वनि है। दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और पश्चिम के मुस्लिम समुदायों ने इस पर गुस्से और पीड़ा के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ये अभिव्यक्तियां अभी प्रतीकात्मक हैं, लेकिन इतिहास हमें बताता है कि एकजुटता के आंदोलन जल्द ही सैन्य समर्थन प्रणालियों में विकसित हो सकते हैं।अगला उग्रवादी संगठन गाजा, लेबनान या सीरिया तक ही सीमित नहीं हो सकता है। यह भी याद रखें कि ईरान का प्रॉक्सी-मॉडल भले ही क्षतिग्रस्त हुआ हो, वह अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पीछे नहीं हटने जा रहा है। तुर्किये भी नए इस्लामवादी आंदोलनों का प्रायोजक बन सकता है।मध्य-पूर्व का मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य भले ही क्षणिक रूप से शांत लग सकता है, लेकिन यह शांति खतरनाक रूप से भ्रामक है। गाजा-संघर्ष के भावनात्मक, वैचारिक और रणनीतिक अभिप्राय धीरे-धीरे सामने आएंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन)

क्या आपने कभी रविवार को समाज में उम्मीदें जगाने की कोशिश की है?

जॉर्ज अपनी पहली ग्राहक को दूर से ही देख सकते थे। उन्होंने उसकी मां के हाथों से उसका हाथ खींचा और उसे लेकर अपने गैरेज की ओर दौड़ पड़े, जहां उन्होंने बीती रात को ही यह बोर्ड लगाया था- 'आपके पास टूटी हुई चीजें हैं? तो उन्हें यहां ले आइए। इसके लिए कोई पैसा नहीं लिया जाएगा। बस चाय और बातें।' आठ साल की मिया अपने टॉय-ट्रक के साथ गैरेज में पहुंची। उसमें चौथा पहिया नहीं था। उसने कहा, 'क्या आप इसे ठीक कर सकते हैं?' फिर धीमी आवाज में कहा- 'डैड कहते हैं अभी तो हम नया नहीं खरीद सकते।' जॉर्ज ने औजारों की खोजबीन की और एक घंटे बाद ट्रक फिर से चलने लगा। अब एक बोतल का ढक्कन उसका पहिया बन गया था और उसे आकर्षक बनाने के लिए उसमें एक सिल्वर डक्ट टेप भी जोड़ दी गई थी। मिया खुशी-खुशी वहां से लौट आई, लेकिन उसकी मां वहीं रही। उन्होंने पूछा- 'क्या आप एक अच्छा रेज्यूमे भी बना सकते हैं?' तीन दिन बाद मिया शिकायत लेकर आई कि बोतल के ढक्कन वाला नया पहिया जाम हो रहा है। इस बार उसकी मां उसके साथ नहीं आई थी, क्योंकि उन्हें एक इंटरव्यू के लिए बुलावा आ गया था। महज एक हफ्ते के भीतर 79 साल के जॉर्ज के गैरेज में चहल-पहल होने लगी थी। एक विधवा महिला एक टूटी हुई घड़ी ले आई। एक किशोर फटा हुआ बैग ले आया। सेवानिवृत्त शिक्षक अलग-अलग लोगों के रेज्यूमे की प्रूफरीडिंग कर रहे थे। एक महिला बैग सिल रही थीं, जिन्होंने अतीत में यह काम किया था।अमेरिका के मिनेसोटा राज्य स्थित मेपल ग्रोव नामक इस कस्बे में कई लोगों को लगा कि जॉर्ज का दिमाग खराब हो गया है। वे एक-दूसरे से कहते कि भला कौन मुफ्त में चीजों की मरम्मत करता है? लेकिन जॉर्ज के पास इसकी एक वजह थी। उनकी दिवंगत पत्नी रूथ ने अपना जीवन जरूरतमंदों के कोट, घड़ियां आदि ठीक करने में बिताया था और वो लोगों को दिलासा भी देती थीं। वे कहती थीं कि 'चीजों को बर्बाद करना एक आदत है और दयालुता इलाज है।' फिर शिकायत आई! 'यह गैर-लाइसेंसी कारोबार है', एक इंस्पेक्टर ने चेतावनी देते हुए कहा। मेयर ने जॉर्ज को गैरेज बंद करने का आदेश दिया। अगली सुबह कस्बे के कोई 40 लोग जॉर्ज के लॉन में विरोध के बैनर और टूटी-फूटी चीजें लिए खड़े थे- 'चीजों को नहीं, कानून की भी मरम्मत करो।' एक बैनर पर लिखा था- 'क्या दयालुता गैरकानूनी है?' जनता के दबाव में मेयर ने नरमी दिखाई और जॉर्ज को पुराने फायर हाउस में कुछ जगह दी। वालंटियर्स ने उसे पीले रंग से रंग दिया और उसे 'रूथ्स हब' नाम दिया। लोग वहां सिर्फ अपनी चीजें ठीक करवाने ही नहीं, बल्कि दूसरों से जुड़ने भी आते थे। प्लम्बर मरम्मत सिखाते थे तो किशोर सिलाई की कला सीखते थे। एक बेकर ने माइक्रोवेव की मरम्मत के ऐवज में कुछ मफिन्स दिए। शहर का कचरा 30फीसदी कम हो गया।आठ साल बाद मिया का एक पत्र आया, जो अब 16 साल की है और एक रोबोटिक्स लैब में इंटर्नशिप कर रही है। पत्र में लिखा था- 'आपने मुझे टूटी हुई चीजों में भी मूल्य देखना सिखाया। मैं सौर ऊर्जा से चलने वाला एक कृत्रिम हाथ बनाने की कोशिश कर रही हूं...' और उस पत्र में एक फुटनोट भी था- 'मेरा ट्रक अभी तक चल रहा है।

चलते-चलते ही चलती रहे सोमवार की मीटिंग!

सोमवार हमेशा थोड़ा बोझिल लगता है। बंद बोर्डरूम में लगातार मीटिंग चलती हैं। बारिश के मौसम में तो पता भी नहीं चलता कि कब बादल छंटे, कब धूप निकली। मीटिंग के प्रेजेंटर को, गड्ढों में कार के कूदने से आने वाली छपाक की आवाज़ कभी-कभी सुनाई दे जाती है। वह भी बहुत साफ़ नहीं होती क्योंकि उसमें एसी के भरभराहट की मिलावट होती है।आपकी मीटिंग सुबह 11:30 पर थी, अब 11:45 बज चुके हैं और अंदर बैठे लोग बाहर निकलने तैयार नहीं हैं। आप अंदर झांकते हैं, तो प्रेज़ेंटर चेहरे पर माफ़ी मांगने का भाव लिए इशारे में कहते हैं, 'बस दो मिनट!' आपका तनाव बढ़ रहा है क्योंकि 12 बजे एमडी को इस हफ़्ते के सेल्स प्रोजेक्शन बताने हैं।मीटिंग से पहले आपको स्टोर हेड से स्टॉक की जानकारी लेनी है और प्रोडक्शन डिपार्टमेंट का प्लान भी जानना है। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? क्यों न मीटिंग को बोर्डरूम से बाहर ले जाएं। इसे कहते हैं, वॉकिंग मीटिंग यानी चलते-चलते, हो जाए मीटिंग।व्यस्त लोग और विभागों के प्रमुख खास स्टाइल में कहते हैं, 'मेरे साथ चलो' और बिल्डिंग के एक विंग से दूसरे विंग में जाते हुए, दो मिनट में मीटिंग पूरी हो जाती है। ऐसा ही कुछ टीवी शो, 'द वेस्ट विंग' में देखने मिलता है। यह पॉलिटिकल ड्रामा सीरीज़ है, जो अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रशासनिक विभाग और कर्मचारियों की रोजमर्रा की चुनौतियां दिखाती है। इसे देखकर आपको भी चलते-चलते मीटिंग की आदत हो सकती है।शो में राष्ट्रपति के साथ काम कर रहे कई लोग अक्सर डायलॉग बोलते हैं 'वॉक विद मी' और फिर व्हाइट हाउस के गलियारे में मीटिंग शुरू हो जाती है, जहां राष्ट्रपति को बताने के लिए कर्मचारी आंकड़े साझा करते हैं। सपोर्ट स्टाफ़ के साथ ये मीटिंग जानबूझकर बाहर की जाती हैं। इसमें एक स्टाइल है। यह आकर्षक है क्योंकि इसमें सहकर्मी के साथ एक पॉइंट से दूसरे पॉइंट तक चला जा सकता है। कल्पना कीजिए, सूट-बूट में दो सहकर्मी, जटिल संवाद कर रहे हैं और फिर बीच गलियारे में रुककर रणनीति तैयार करते हैं। फिर उनमें से एक एमडी के केबिन में चला जाता है और दूसरा ऑफिस में जाकर गलियारे में हुई चर्चा को दस्तावेज में दर्ज कर लेता है। स्वर्गीय स्टीव जॉब्स वॉकिंग मीटिंग की काफ़ी वकालत करते थे। उनके साथ काम करने वाले बताते हैं कि 30फीसदी मीटिंग चलते हुए होती थीं।स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की 2014 की रिसर्च बताती है कि चलने से रचनात्मकता बढ़ती है, चलते हुए भी और बाद में भी। मैं सिर्फ़ ऑफ़िस में चलने से होने वाले फ़ायदों की बाद नहीं कर रहा।यह कारगर है।मैंने ऐसी कई वॉकिंग मीटिंग देखी हैं, जहां दोनों पक्ष बड़ी आसानी से किसी टॉपिक पर बात कर पाए।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर 40 करोड़ का गांजा जब्त, महिला गिरफ्तार,बैंकॉक से दुबई होते हुए भारत लौटी थी

हैदराबाद। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बुधवार को एक महिला यात्री के पास से 400 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया। एनसीबी ने बताया कि गांजे की अनुमानित कीमत 40 करोड़ रुपए है। जांच में पता चला कि महिला ने बैंकॉक से गांजा खरीदा और दुबई के रास्ते भारत लौटी, ताकि किसी को शक न हो। क्योंकि बैंकॉक से सीधे भारत पर आने वाले यात्रियों से गांजा बरामद होने के कई मामले सामने आए हैं। एनसीबी अधिकारियों ने खुफिया जानकारी के आधार पर, महिला यात्री को रोका और उसके दो चेक-इन बैग से गांजा जब्त किया। महिला के थाईलैंड और भारत में संबंधों की जांच जारी है।

इटारसी-नागपुर चौथी रेल लाइन रु5,451 करोड़ में बनेगी:किसान संपदा का बजट रु6,520 करोड़ किया, मोदी कैबिनेट के 6 फैसले

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कैबिनेट बैठक हुई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 'मोदी कैबिनेट की बैठक में 6 अहम फैसले लिए गए हैं। इनमें 2 किसानों और फूड सेक्टर से जुड़े हैं। वहीं चार फैसले नॉर्थ-ईस्टर्न सेक्टर में रेलवे नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना का बजट बढ़ाकर 6520 रुपए कर दिया गया है। इससे किसानों को फूड प्रोसेसिंग में फायदा मिलेगा। वहीं, नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के लिए 2,000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इससे सहकारी समितियों (कोऑपरेटिव सोसाइटीज) को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा, 4 रेलवे लाइनों के लिए 11,168 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। इसमें इटारसी से नागपुर चौथी रेल लाइन के लिए 5,451 करोड़ रुपए दिए गए हैं। वहीं, अलुआबाड़ी रोड से न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे लाइन के लिए 1,786 करोड़, छत्रपति संभाजीनगर-परभानी रेलवे लाइन दोहरीकरण के लिए 2,179 करोड़ और डंगोआपोसी-करौली रेलवे लाइन के लिए 1,752 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। एनसीडीसी योजना से 29 करोड़ लोगों को फायदा मिलेगा मोदी कैबिनेट ने नेशनल कोऑपरेटिव डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) को 2000 करोड़ रुपए की ग्रांट-इन-एड को मंजूरी दी। यह राशि चार सालों (2025-26 से 2028-29 तक) में हर साल 500 करोड़ रुपए की दर से दी जाएगी।यह फंड सहकारी संस्थाओं को नए प्रोजेक्ट शुरू करने, प्लांट का विस्तार करने और कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की जरूरतों को पूरा करने के लिए लोन देने में इस्तेमाल किया जाएगा। ये लोन करीब 8.25 लाख सहकारी समितियों को जाते हैं, जिनमें 29 करोड़ सदस्य हैं। 94फीसदी किसान इससे जुड़े हैं। ये संस्थाएं डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन, चीनी, वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, श्रमिक और महिला सहकारी क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

कर्नाटक में नया ब्लड ग्रुप 'क्राइब' मिला:10 महीने की रिसर्च के बाद खोजा गया; ये बेहद दुर्लभ, दुनियाभर में केवल 10 लोगों का

नयी दिल्ली। कर्नाटक के कोलार जिले की एक 38 वर्षीय महिला में डॉक्टरों ने एक ऐसा ब्लड ग्रुप खोजा है, जो अब तक दुनिया में कहीं भी पहचाना नहीं गया था। इसे क्राइब नाम दिया गया है। अभी तक दुनिया में इस ब्लड ग्रुप के 10 लोग ही सामने आए हैं। यह मामला तब सामने आया जब महिला को दिल की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। महिला का ब्लड ग्रुप ओ आरएच प्लस था, जो कि सबसे आम माना जाता है। लेकिन जब सर्जरी के लिए खून जुटाया गया, तो कोई भी ओ पॉजिटिव यूनिट उसके शरीर से मेल नहीं खा रही थी। मामला गंभीर था, इसलिए जांच के लिए सैंपल को बेंगलुरु के रोटरी बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर की एडवांस्ड लैब में भेजा गया। टीम ने महिला के 20 परिजनों के ब्लड सैंपल भी जांचे, लेकिन कोई मेल नहीं मिला। डॉ. अंकित माथुर ने बताया, 'हमने एडवांस टेस्टिंग की, जिसमें पाया गया कि मरीज का खून हर सैंपल से 'पैन-रिएक्टिव' था, यानी किसी भी खून से मेल नहीं खा रहा था। हमें शक हुआ कि यह कोई नया या बहुत दुर्लभ ब्लड ग्रुप हो सकता है।' डॉक्टरों और परिवार की मदद से बिना खून चढ़ाए ही सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गई। साथ ही महिला और उसके परिवार के ब्लड सैंपल इंटरनेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेंस लैब, ब्रिस्टल, यूके भेजे गए। दस महीने की रिसर्च और जेनेटिक टेस्टिंग के बाद आखिरकार वैज्ञानिकों ने इस महिला में एक बिल्कुल नया ब्लड ग्रुप एंटीजन खोज निकाला।क्राइब ब्लड ग्रुप से जुड़ी खास बातें: पूरा नाम: Chromosome Region Identified as Blood group श्रेणी: आईएनआरए सिस्टम पहली खोज: भारत में, अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने पुष्टि की महत्त्व: गर्भावस्था और ब्लड ट्रांसफ्यूजन में जीवन रक्षक भूमिका दुर्लभता: अब तक दुनिया में केवल 10 लोग पाए गए हैं क्या है क्राइब ब्लड ग्रुप? क्राइब का पूरा नाम Chromosome Region Identified as Blood group है। इसका संबंध ''ह्यूह ब्लड ग्रुप सिस्टम से है, जिसे इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन ने 2022 में मान्यता दी थी। क्राइब ब्लड ग्रुप में एक आम पाया जाने वाला एंटीजन नहीं होता, जो ज्यादातर लोगों में होता है। इस वजह से क्राइब ब्लड ग्रुप वाले व्यक्ति को सिर्फ क्राइब-नेगेटिव खून ही चढ़ाया जा सकता है, जो पूरी दुनिया में बेहद दुर्लभ है। क्या हैं इसके प्रभाव? क्राइब ब्लड ग्रुप की पहचान उन मामलों में जीवन रक्षक साबित हो सकती है, जहां गर्भवती महिला के शरीर में ऐसे एंटीबॉडी बनते हैं जो भ्रूण के रक्त को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे मामलों में समय रहते जांच और सावधानी बरती जा सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि इस ब्लड ग्रुप वाली महिला को भविष्य में अगर दोबारा खून की जरूरत पड़ी, तो उसे दूसरों के डोनेशन पर निर्भर नहीं रहना होगा। उसे पहले से अपना ही खून ऑटोलॉगस ट्रांसफ्यूजन के जरिए स्टोर करना पड़ेगा। भारत इम्यूनो-हेमैटोलॉजी रिसर्च का केंद्र बन सकता हैइस खोज को पिछले महीने इटली के मिलान में एक अंतरराष्ट्रीय मेडिकल कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया, जहां इसे एक बड़ी उपलब्धि माना गया। डॉक्टरों का मानना है कि यह खोज भारत को विश्व स्तर पर इम्यूनो-हेमैटोलॉजी रिसर्च का केंद्र बना सकती है। इम्यूनो-हेमैटोलॉजी एक विशेष चिकित्सा शाखा है, जो हमारे खून में मौजूद एंटीजन और एंटीबॉडी के आपसी संबंध और उनकी प्रतिक्रिया का अध्ययन करती है। अब वैज्ञानिक क्राइब की पहचान के लिए खास एंटीबॉडी पैनल और स्क्रीनिंग टेस्ट विकसित करने की मांग कर रहे हैं, ताकि ऐसे मामलों को पहले ही पहचाना जा सके।

राहुल बोले-ट्रम्प ने सही कहा कि इंडियन इकोनॉमी मर चुकी:इसे मोदी ने मारा, ये बात पीएम और वित्त मंत्री को छोड़कर सबको पता है

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकोनॉमी (मृत अर्थव्यवस्था) बताने पर कहा- मुझे खुशी हुई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फैक्ट बताया है। राहुल ने गुरुवार को कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि भाजपा ने अडाणी की मदद के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। ट्रम्प सही कह रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और वित्त मंत्री को छोड़कर सभी जानते हैं कि भारत की इकोनॉमी डेड है। राहुल का यह बयान ट्रम्प के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा कि मुझे फर्क नहीं पड़ता कि रूस और भारत अपनी डेड इकोनॉमी को कैसे संभालते हैं। दरअसल बुधवार को अमेरिकी ने भारत पर 25फीसदी टैरिफ की घोषणा की। इसके बाद से ही कांग्रेस समेत कई पार्टियों से जुड़े लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।राहुल गांधी ने अपने एक्स पर पोस्ट किया- भारत की इकोनॉमी मर चुकी है। इसे मोदी ने मार दिया। 1. मोदी-अडाणी की पार्टनरशिप 2. नोटबंदी और खामियों वाला जीएसटी जीएसटी 3. 'असेंबल इन इंडिया' फेल रहा (राहुल मेक इन इंडिया को असेंबल इन इंडिया कहते हैं) 4. एमएसएमईएस यानी छोटे-मध्यम उद्योग खत्म हो गए 5. किसानों को दबा दिया गया। मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य खत्म कर दिया, क्योंकि नौकरियां नहीं हैं।पढ़िए किसने क्या-क्या कहा- कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी: अमेरिकी राष्ट्रपति ने टैरिफ पर जो कहा, उसे सबने देखा है। प्रधानमंत्री मोदी हर जगह जाते हैं, दोस्त बनाते हैं और फिर हमें बदले में यही मिलता है।कांग्रेस सांसद शशि थरूर- यह हमारे लिए बहुत गंभीर मामला है। 25फीसदी टैरिफ के साथ रूस से तेल और गैस खरीदने पर जुर्माना जुड़ सकता है, जिससे यह 35-45फीसदी तक हो सकता है। कुछ खबरों में 100फीसदी पेनल्टी की बात भी हो रही है, जो भारत-अमेरिका व्यापार को पूरी तरह बर्बाद कर देगी। कांग्रेस के राजीव शुक्ला: ट्रम्प देशों को धमका रहे हैं। वे भारत से रूस के साथ व्यापार न करने के लिए कह रहे हैं। यह बहुत गलत है। अमेरिका भारत का समर्थन नहीं कर रहा है। हम ट्रम्प के साथ दोस्ती का दावा कर रहे थे। वह कहां है। वे कहते हैं, मोदी मेरे दोस्त हैं, लेकिन 25फीसदी टैरिफ लगा रहे, इसका क्या मतलब है। वह भारत के साथ अन्याय कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद जयराम रमेश: हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रम्प से कोई फायदा नहीं हुआ। हमें इस दोस्ती से क्या मिला। यह हमारे देश, हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा झटका है। पीएम को डरना नहीं चाहिए। अमेरिका की ब्लैकमेलिंग हमारे लिए मुसीबत का समय है। हम सोचते थे हमारे सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं - पाकिस्तान और चीन, लेकिन अमेरिका तीसरी बड़ी मुसीबत बनकर उभरा है। जदयू सांसद संजय कुमार झा: यह कोई नई बात नहीं है। ऐसी जानकारी मिली है कि अलग-अलग देशों ने अलग-अलग दरों पर टैरिफ लगाए हैं। सरकार वही करेगी जो देश के हित में होगा। सरकार कृषि और एमएसएमई क्षेत्र के हित में काम करेगी। सरकार ने यह भी कहा है कि बातचीत जारी है। सरकार और पीएम मोदी समाधान निकालने में सक्षम हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 1 अगस्त से 25फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भारत, रूस से हथियार और ऑयल खरीद रहा है, इसलिए उस पर जुर्माना भी लगाएंगे।ट्रम्प ने एक और पोस्ट में कहा कि अमेरिका के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत ज्यादा है, इसलिए वे भारतीय सामानों पर टैरिफ लगा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प के फैसलों पर भारत सरकार ने कहा है कि इस फैसले के असर को समझ रही है और देश के हितों को बचाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी।

चीनी वेबसाइट बेच रही भगवान जगन्नाथ की फोटो वाली डोरमैट,ओडिशा की डिप्टी सीएम बोलीं- अलीएक्सप्रेस माफी मांगे, विवाद बढ़ने पर कंपनी ने प्रोडेक्ट हटाया

भुवनेश्वर। चीनी ई-कॉमर्स वेबसाइट अलीएक्सप्रेस भगवान जगन्नाथ की तस्वीर वाले डोरमैट बेचने पर विवाद खड़ा हो गया है। राज्य की उप मुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने इसे 'अपमानजनक' बताया और अलीएक्सप्रेस से माफी की मांग की है। सोशल मीडिया पर विरोध बढ़ने पर ई-कॉमर्स वेबसाइट ने प्रोडेक्ट को हटा दिया। परिदा ने एक्स पर लिखा, 'महाप्रभु जगन्नाथ प्रत्येक ओडिया के दिल और आत्मा से जुड़े हैं। मैं चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अली एक्सप्रेस द्वारा भगवान जगन्नाथ की फोटो वाले डोरमैट बेचने की कड़ी निंदा करती हूं। इसे तुरंत हटाया जाए और भक्तों से माफी मांगी जाए। फिरदौस ने अपनी पोस्ट में कहा- भगवान जगन्नाथ की पवित्र फोटो वाले डोरमैट को अली एक्सप्रेस पर बेचने का यह कृत्य घोर निंदनीय है। यह करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावनाओं पर सीधा हमला है। तुरंत कार्रवाई हो और सार्वजनिक माफी मांगी जाए।सोफिया की पोस्ट के जवाब में अलीएक्सप्रेस ने कहा कि उसने डोरमैट प्रोडेक्ट को लिस्टिंग से हटा दिया है । कंपनी ने लिखा, 'आपकी सूचना के लिए धन्यवाद। संबंधित प्रोडेक्ट की समीक्षा कर हटाया गया है। आपके सुझावों से हमें अपने प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। धन्यवाद कि आपने हमें एक सुरक्षित और सम्मानजनक ऑनलाइन अनुभव बनाने में सहयोग दिया।'सुदर्शन पटनायक ने लोगों से आवाज उठाने की अपील की थी प्रसिद्ध रेत कलाकार और पद्मश्री पुरस्कार विजेता सुदर्शन पटनायक ने घटना की निंदा करते हुए लिखा- 'जय जगन्नाथ। हम दुनियाभर के सभी भक्तों से अपील करते हैं कि इसके खिलाफ आवाज उठाएं। अली एक्सप्रेस पर महाप्रभु जगन्नाथ की पवित्र फोटो वाले डोरमैट बेचना आपत्तिजनक है। इसे हटाएं, माफी मांगें और सुनिश्चित करें कि फिर कभी ऐसा न हो।' पूर्व सांसद और बीजू जनता दल के नेता अमर पटनायक ने भी अलीएक्सप्रेस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा- मैं भगवान जगन्नाथ की फोटो वाले डोरमैट बेचने के इस निंदनीय कृत्य की घोर भर्त्सना करता हूं। यह करोड़ों भक्तों की धार्मिक भावना का अपमान है। यह अत्यंत अशोभनीय है कि भगवान की छवि को एक वस्तु की तरह इस्तेमाल किया गया। जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐसी गलती दोबारा न हो। सोशल मीडिया पर अलीएक्सप्रेस की कड़ी आलोचना की जा रही है। लोगों ने ई-कॉमर्स वेबसाइट से माफी की मांग करते हुए बॉयकॉट करने की मांग की है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश जांच में ह्यूमन फैक्टर स्पेशलिस्ट्स शामिल:वेस्टर्न मीडिया ने पायलट को जिम्मेदार ठहराया था, इसी वजह से फैसला लिया गया

नयी दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने गुरुवार को संसद में बताया कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच में ह्यूमन फैक्टर स्पेशलिस्ट्स को भी शामिल किया गया है। ये दुर्घटनाओं और अन्य सुरक्षा संबंधी घटनाओं के कारणों का एनालिसिस करते हैं और उन्हें रोकने के लिए डिजाइन में बदलाव का सुझाव देते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जांच में सभी पहलुओं को देखा जा रहा है। यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि अमेरिकी मीडिया हाउस, वॉल स्ट्रीट जनरल ने 17 जुलाई को पब्लिश रिपोर्ट में आशंका जताई थी कि विमान के पायलट कैप्टन सुमीत सभरवाल ने दोनों इंजनों में फ्यूल सप्लाई रोकी थी। हालांकि, भारत के एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो और अमेरिका के नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने रिपोर्ट को गलत बताया था। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने कहा था कि अभी जांच चल रही है और किसी नतीजे पर पहुंचना सही नहीं होगा। अहमदाबाद में 12 जून को एअर इंडिया का प्लेन क्रैश हुआ था। हादसे में कुल 270 लोगों की जान गई थी। विमान में 242 लोग सवार थे। इनमें एक यात्री की जान बच गई थी। इसके अलावा, जिस मेडिकल हॉस्टल पर विमान गिरा था, वहां 29 लोगों की जान गई थी।केंद्रीय मंत्री ने बताया- 2025 में 8 विमान हादसे, 274 की जान गई केंद्रीय मंत्री मोहोल ने बताया कि जून 2025 तक पिछले पांच सालों में विभिन्न विमानों में आई गंभीर खामियों पर कुल 2094 जांचें की गईं। ये सभी तकनीकी खराबियां थीं। मोहोल ने कहा कि एयरलाइन ऑपरेटर सभी गंभीर खराबियों की सूचना तुरंत डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन को देते हैं। अगर डीजीसीए ऑडिट में पाया जाता है कि एयरलाइन ने खराबियों की सूचना नहीं दी तो डीजीसीए जांच करता है और प्रोसीजर मैनुअल के हिसाब से कार्रवाई करता है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि 2025 में कुल आठ विमान दुर्घटनाएं हुईं। इनमें 1 शेड्यूल्ड एयरक्राफ्ट, 3 ट्रेनी विमान और 4 हेलिकॉप्टर शामिल हैं। इन दुर्घटनाओं में 274 लोगों की जान गई।अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि विमान के कैप्टन सुमीत सभरवाल ने इंजनों में फ्यूल की सप्लाई रोकी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने जांच से जुड़े अमेरिकी सूत्रों के हवाले से यह कहा था।

कास्टिंग काउच के आरोपों पर बोले विजय सेतुपति,'ऐसे आरोप मुझ पर कोई असर नहीं डाल सकते, उसे फेम चाहिए था, जो मिल गया'

मुंबई। साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति पर हाल ही में एक महिला ने कास्टिंग काउच के आरोप लगाए थे। अब इस पूरे मामले में एक्टर ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। विजय ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए साफ कहा है कि यह सब उन्हें बदनाम करने की कोशिश है।

विजय सेतुपति ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए डेक्कन क्रॉनिकल से कहा- जो लोग मुझे थोड़ा भी जानते हैं, वो इन आरोपों पर हंसेंगे। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है। ऐसे गंदे आरोप मुझ पर कोई असर नहीं डाल सकते। मेरे परिवार और कुछ करीबी दोस्त जरूर परेशान हैं, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि इसे नजरअंदाज करो। ये महिला बस लोगों का ध्यान खींचने के लिए ऐसा कर रही है। उसे कुछ मिनट का फेम चाहिए था, तो उसे मिल गया, अब उसे एंजॉय करने दो।विजय ने बताया कि उनकी लीगल टीम इस मामले में पहले ही एक्टिव हो चुकी है। उन्होंने साइबर क्राइम सेल में शिकायत कर दी है। विजय ने आगे कहा- 'पिछले सात सालों से लोग मेरे खिलाफ अफवाहें फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा और आगे भी नहीं पड़ेगा।' विजय ने यह भी कहा कि उन्हें इसलिए टारगेट किया जा रहा है क्योंकि उनकी नई फिल्म 'थलैवन थलैवी' अच्छा प्रदर्शन कर रही है। विजय ने कहा,- मेरी फिल्म हिट हो रही है, शायद कुछ जलने वाले लोग ये सोचते हैं कि मुझे बदनाम करके फिल्म को नुकसान पहुंचाया जा सकता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज के दौर में कोई भी किसी के बारे में कुछ भी लिख सकता है। बस एक सोशल मीडिया अकाउंट चाहिए और आप बिना किसी डर के जो चाहें लिख सकते हैं।हाल ही में सोशल मीडिया पर रम्या मोहन नाम की एक महिला ने अपनी पोस्ट में विजय सेतुपति समेत तमिल फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कई दावे किए। हालांकि, बाद में ये पोस्ट डिलीट कर दी गई और वो अकाउंट भी डिएक्टिवेट हो गया। एक्स पर रम्या मोहन ने लिखा था, 'कॉलीवुड में ड्रग और कास्टिंग काउच कल्चर कोई मजाक नहीं हैं। मेरी जान-पहचान की एक लड़की, जो अब एक जाना-माना चेहरा है, को इस गंदगी में धकेला गया। आज वो रिहैब सेंटर में है। ड्रग्स, मानसिक शोषण और जिस्मानी फेवर को इंडस्ट्री का 'नॉर्म' कहकर छुपाया जाता है। विजय सेतुपति ने उसे 'कारवैन फेवर' के लिए 2 लाख रुपए और 'ड्राइव' के लिए 50 हजार रुपए ऑफर किए।' रम्या मोहन ने आगे लिखा था- 'वह सालों तक उसका इस्तेमाल करता रहा, और सोशल मीडिया पर संत बनता फिरता है। ये सिर्फ एक लड़की की कहानी नहीं है, कई हैं। मीडिया इन लोगों को पूजता है जैसे ये भगवान हों। ड्रग और सेक्स का ये नेक्सस एक सच्चाई है, मजाक नहीं।' बता दें कि विजय तमिल के अलावा हिंदी सिनेमा में भी चर्चित चेहरा हैं। एक्टर शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' में विलेन के तौर पर नजर आ चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने कटरीना कैफ के साथ फिल्म 'मैरी क्रिसमस' में काम किया है।

शूटिंग के दौरान गिरने से बचीं त्रिधा चौधरी,'सो लॉन्ग वैली' में कॉप के किरदार में नजर आएंगी, एक्ट्रेस बोलीं- मौका मिला तो डायरेक्शन करूंगा

मुंबई। लोकप्रिय वेब सीरीज 'आश्रम' में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली एक्ट्रेस त्रिधा चौधरी की फिल्म 'सो लॉन्ग वैली' 25 जुलाई को रिलीज होने जा रही है। हाल त्रिधा और फिल्म के निर्माता-निर्देशक और एक्टर मान सिंह ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। शूटिंग के दौरान का एक किस्सा शेयर करते हुए त्रिधा ने बताया कि वे गिरने से बची थीं। वहीं मान सिंह ने कहा कि बहुत अभाव और कम संसाधन फिल्म बनाई है। इसके पीछे पूरी यूनिट और फिल्म के कलाकारों ने बहुत सपोर्ट किया। फिल्म के बारे में त्रिधा और मान सिंह ने और क्या कहा, सवाल- त्रिधा चौधरी को फिल्म में लेने का ख्याल कैसे आया? जवाब/ मान सिंह- इस फिल्म का कनेक्शन रियल लाइफ के बहुत करीब है। जब फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो गई तब फिल्म के कास्टिंग डायरेक्टर ने त्रिधा चौधरी को कास्ट करने का सुझाव दिया। मैं त्रिधा की नेचुरल एक्टिंग से बहुत इंस्पायर हूं। जब एक कॉप नेचुरल एक्टिंग करता है तो परदे पर उसका एक अलग ही फील आता है। त्रिधा ने फिल्म में अपने किरदार को जिस तरह से जीवंत किया है। मुझे लगता है कि इस किरदार के लिए उनसे बेहतर और कोई नहीं हो सकता था।सवाल- त्रिधा, आपने कई तरह के अलग-अलग चैलेंजिंग किरदार निभाए हैं। कभी टाइपकास्ट नहीं हुईं, इस बार आप कॉप के किरदार में नजर आएंगी। क्या प्रोसेस था? जवाब/त्रिधा चौधरी- सबसे अच्छा प्रोसेस प्रोजेक्ट का चयन करना होता है। उसके बाद सोचती हूं कि फिल्म में जिस तरह का किरदार है। क्या उसके साथ न्याय कर पाऊंगी? इसमें हिमाचली कॉप की भूमिका निभा रही हूं। यह एक अलग तरह का किरदार है। मैंने इसे चैलेंज की तरह लिया।सवाल- रियल लाइफ में आप काफी अलग हैं। आपके किरदार में एक गंभीरता और ठहराव दिखाता है। वह कैसे लेकर आती हैं? जवाब/त्रिधा चौधरी- एक इंसान के जीवन में नवरस बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। यही चीज किरदार में भी होता है। बाकी फिल्म के डायरेक्टर गाइड करते हैं कि किरदार में और कैसे निखार लाना है। हालांकि पहले थोड़ी नर्वस थी, लेकिन टीम ऐसी मिली कि सब कुछ सहज हो गया। सवाल- मान, आपने फिल्म में एक्टिंग भी की है। किस तरह का अनुभव था? जवाब/मान सिंह- इसमें थोड़ा अड़ियल किस्म के कॉप की भूमिका निभा रहा हूं। बहुत ही मजेदार अनुभव रहा है। मैंने मनाली में देखा है कि पुलिस ऑफिसर दिखने में तो बहुत क्यूट होते हैं, लेकिन क्रिमिनल से बहुत सख्ती से पेश आते हैं। मैंने उन्हें देखा, ऑब्जर्व किया और किरदार में उतारने की कोशिश की। सवाल- आज की तारीख में फिल्म बनाकर थिएटर तक पहुंचना आसान नहीं होता है। आप ने यह कैसे कर लिया? जवाब/ मान सिंह- जब किसी प्रोसेस को जीना शुरू कर देते हैं तब अच्छे लोग जुड़ने लगते हैं। इस फिल्म की जर्नी भी वैसी ही है। सोचा, लिखा फिर शूटिंग की। अच्छे लोग जुड़ते गए और यह फिल्म थिएटर में रिलीज हो रही है। सवाल- त्रिधा, आपने इस तरह के लेडीज सिंघम को असल जीवन में बहुत देखे होंगे, आप का किरदार किसी से इंस्पायर है?जवाब/त्रिधा चौधरी- मैंने इस किरदार को एक पुलिस ऑफिसर की नजरिए से नहीं, बल्कि एक औरत के नजरिए से भी देखा। मुझे लगता है कि औरत में बहुत ताकत होती है। ऐसी बहुत सारी औरतें हैं, जिनको देख कर बढ़ी हुई हूं। वहीं से इंस्पायर हूं।सवाल- शूटिंग के दौरान किस तरह की चुनौतियां आईं? जवाब/मान सिंह- इस फिल्म की पूरी शूटिंग मनाली के वास्तविक लोकेशन पर हुई है। उस समय माइनस सेवन तापमान था। थोड़ी बहुत मुश्किलें आईं, लेकिन सभी ने बहुत मेहनत से काम किया। सवाल- इस फिल्म की यूएसपी क्या है, फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद लोगों की किस तरह की प्रतिक्रियाएं मिलीं?जवाब/ मान सिंह- इस फिल्म से लोग कनेक्ट हो, इस बात का हमने बहुत ख्याल रखा है। क्राइम-थ्रिलर हमारे समाज के बीच की चीज है। कैब ड्राइवर और पैसेंजर के बीच काफी हादसे सुनने को मिलते हैं। इस तरह की तमाम चीजें इस फिल्म में देखने को मिलेगी। सवाल- शूटिंग के दौरान की कोई यादगार क्षण जिसे आप लोग शेयर करना चाहें? जवाब/त्रिधा चौधरी- क्लाइमेक्स की शूटिंग हमने जंगल में किया था। जब हम किरदार निभाते हैं तो आस पास की चीजों पर ध्यान नहीं रहता है। मैं अचानक वहां गिरने वाली थी, लेकिन बच गई। वह सीन भी इस फिल्म का एक हिस्सा है। मान सिंह- जंगल में लगातार 6 घंटे शूटिंग कर रहे थे। उस दौरान त्रिधा कुर्सी पर नहीं बैठीं। जब कलाकार अपने किरदार को जीते हैं तब उनके अंदर एक अलग तरह की एनर्जी होती है। उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि किस माहौल में शूटिंग कर रहे हैं। इसमें सारे एक्शन और फाइट सीक्वेंस रियल लगेंगे। सवाल- मान, आपने छोटे से शहर से आकर बड़ी खूबसूरत फिल्म बनाई है। आगे का एंबीशन किया है? जवाब/ मान सिंह- बस जर्नी अच्छे से चलती रहे और अच्छी फिल्में बनाते रहें। रही बात इस फिल्म की तो हमने इसे बहुत लगन और समर्पण के साथ बनाया है। सवाल- उतार चढ़ाव से किस तरह से पार पाते हैं? जवाब/मान सिंह- जब लगता है कि किसी दिन स्ट्रगल ज्यादा हो गया तब आराम करता हूं। अगले दिन नई ऊर्जा और सोच के साथ काम पर लग जाता हूं। मेरा मानना है कि बिना छुट्टी लिए काम पर लगे रहें, रास्ते अपने आप बनते जाएंगे। सवाल- आप एक्टिंग करने आए थे, डायरेक्शन कहां से सीखे? जवाब/मान सिंह- जब मैं सत्यदेव दुबे जी के मार्गदर्शन में थिएटर में परफॉर्म कर रहा था। तब मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। थिएटर में एक्टिंग के अलावा भी हर काम करना पड़ता है। अमरीश पुरी साहब एक नाटक 'डेढ़ इंच ऊपर' कर रहे थे। मैं बैक स्टेज था। उनको परफॉर्म करते देख बहुत कुछ सीखने को मिला। एक दिन अचानक एक सेट पर चला गया वहां सेकेंड यूनिट का डायरेक्टर नहीं आया था। वहां मुझे डायरेक्ट करने का पहली बार मौका मिला। मुझे ऐसा लगा कि आगे मैं डायरेक्ट कर सकता हूं। इससे पहले कुछ शॉर्ट फिल्में डायरेक्ट की थी।सवाल- त्रिधा कभी आपने डायरेक्शन के बारे में सोचा है? जवाब/ त्रिधा चौधरी- क्रिएटिव फील्ड में जो भी होता है उसे सबको सीखनी चाहिए। मैंने किसी से पूछा था कि कोई लेडीज सिनेमैटोग्राफर क्यों नहीं होती है? इसके बहुत सारे कारण हो सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि मैं सिनेमैटोग्राफर बनना चाहती हूं। रही बात डायरेक्शन का तो अगर मौका मिले तो मजा आ जाए, लेकिन जरूरी नहीं कि वह फिल्म ही हो।

संजय दत्त की बायोग्राफ़ी- 308 से ज्यादा अफेयर का दावा,तीन शादियां,क्या रेखा लगाती हैं इनके नाम का सिंदूर

मुंबई। 29 जुलाई 1959 को सुनील दत्त और नरगिस के घर जन्मे संजय दत्त ने अपनी दमदार एक्टिंग से दुनियाभर के दर्शकों का दिल जीता है। बतौर बाल कलाकार अपने पिता के बैनर तले बनी फिल्म 'रेशमा और शेरा' से करियर की शुरुआत करने वाले संजय दत्त ने तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई है। नाम, काम, प्यार, विवाद संजय दत्त के जीवन के अहम पहलू रहे हैं। उन्हीं में से उनके जीवन के एक खास पहलू प्यार को आज उनके जन्मदिन पर करीब से जानने की कोशिश करेंगे। कभी संजय के अफेयर की चर्चा जोरों पर थी। बताया जाता है कि उनके 308 से ज्यादा लड़कियों से अफेयर रहे हैं। टीना मुनीम, माधुरी दीक्षित और रेखा जैसी अभिनेत्रियों के साथ उनका नाम जुड़ चुका है। यह भी कहा जाता है कि उन्होंने रेखा से शादी भी कर ली थी। रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। आखिर इसके पीछे सच्चाई क्या है? आए जानते हैं। रेखा और संजय दत्त फिल्म 'जमीन आसमान' में साथ नजर आए थे। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेखा से मंदिर में जाकर शादी कर संजय

दत्त से शादी कर ली थी। दोनों कई हफ्ते तक घर से गायब रहें। दोनों ने अपने घर में किसी को कुछ नहीं बताया। जैसे ही रेखा और संजय दत्त की शादी की बात सुनील दत्त को पता चली तो वो बहुत नाराज हुए। उन्होंने संजय दत्त को ढूंढा और उनकी शादी रिचा शर्मा से करवा दी। रेखा संजय दत्त से करीब 5 साल बड़ी हैं। उन्होंने रेखा को संजय से दूर रहने की सलाह दी थी। क्या अभी भी रेखा, संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं? इसे जानने से पहले संजय दत्त की तीन चर्चित शादियों के बारे में जानते हैं। संजय दत्त की ऋचा शर्मा से शादी 1987 में हुई। ऋचा और संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त न्यूयॉर्क में रहती हैं। शादी के बाद ऋचा को कैंसर हो गया। उन्होंने इस

बीमारी का इलाज अमेरिका में कराया। उनकी तबीयत में सुधार भी आया। हालांकि बाद में फिर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और 32 साल की उम्र में 10 दिसंबर 1996 को निधन हो गया था। ऋचा शर्मा ने देवानंद की फिल्म 'हम नौजवान' के अलावा 'अनुभव', 'इंसाफ की आवाज', 'सड़क छाप' जैसी फिल्मों में काम किया था।रिचा के निधन के बाद संजय की जिंदगी में मॉडल रिया पिल्लई आईं। दोनों एक-दूसरे को पहले से जानते थे। वे एक-दूसरे के

करीब उस समय आए थे, जब संजय को मुंबई ब्लास्ट केस में जेल जाना पड़ा। उस समय रिया ने संजय का साथ नहीं छोड़ा। संजय ने अपने मुश्किल समय में रिया पिल्लई को साथ देखा और उनका यही स्वभाव संजय के दिल को भा गया। जेल से बाहर आने के बाद संजय ने वैलेंटाइन डे के मौके पर रिया को प्रपोज किया और 14 फरवरी 1998 शादी कर ली। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया गया- शादी के बाद संजय दत्त ने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली और शूटिंग में बिजी हो गए। इसकी वजह से वो रिया को समय नहीं दे पा रहे थे। इसकी वजह से दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगी और शादी के दस साल के बाद 2008 में तलाक हो गया। शादी टूटने के लिए संजय को जिम्मेदार ठहराया, जिससे वह लोगों की नजरों में विलेन बन गए।

हालांकि कुछ जानकारों का मानना है कि संजय दत्त उस समय मान्यता के करीब आ गए थे तो रिया टेनिस प्लेयर लिएंडर पेस को डेट करने लगीं। दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए और तलाक का केस फाइल कर दिया। यासिर उस्मान ने अपनी किताब 'द क्रेजी अनटोल्ड स्टोरी ऑफ बॉलीवुड बैड बॉय संजय दत्त' में इस बात का जिक्र किया है कि उस वक्त बॉलीवुड में सभी को लग रहा था कि संजय दत्त ने धोखा दिया है, लेकिन संजय दत्त ने तलाक के बदले रिया पिल्लई को बांद्रा में दो फ्लैट भी दिए। वहीं, अपनी दो कंपनियों देजा वू एंटरटेनमेंट और ग्लोबल एंटरटेनमेंट के शेयर भी रिया के नाम कर दिए थे।तीसरी शादी मान्यता से दूसरी पत्नी रिया पिल्लई से तलाक के बाद संजय दत्त ने तीसरी शादी मान्यता से 7 फरवरी, 2008 को गोवा के ताज एक्सोटिका में की। शादी के 2 साल कपल ने 21 अक्टूबर 2010 को अपने खूबसूरत जुड़वां बच्चों शाहरान (बेटा) और इकरा (बेटी) का स्वागत किया। बताया जाता है कि संजय और मान्यता की शादी में संजय की बहनें नहीं शामिल हुईं और न ही मान्यता को अपनी भाभी के रूप में स्वीकार किया। हालांकि पिछले कुछ सालों में चीजें बदल गई हैं। अब मान्यता का अपनी ननदों के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है।कौन हैं मान्यता दत्त? मान्यता दत्त का असली नाम दिलनवाज शेख हैं। प्रकाश झा की फिल्म 'गंगाजल' में मान्यता ने आइटम नंबर किया था। इस फिल्म में उनके आइटम सॉन्ग 'चौक चौराहे' और 'अल्हड़ जवानी' काफी पॉपुलर हुए थे। मान्यता ने बी और सी ग्रेड की कुछ फिल्मों में भी काम किया था। शादी के बाद उन्होंने न सिर्फ अपना नाम बदला बल्कि इंडस्ट्री को भी हमेशा के लिए छोड़ दिया। अब वो संजय दत्त प्रोडक्शंस की सीईओ हैं। संजय दत्त की जिंदगी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। इसी लिए तो राजकुमार हिरानी ने उनकी जिंदगी पर फिल्म 'संजू' बना दी। फिल्म संजू में बताया गया था कि संजय दत्त के 308 से ज्यादा अफेयर्स रहे हैं। हालांकि इस पर खुद संजय दत्त ने कभी कुछ कहा नहीं, सिवाय इसके कि यंग एज में उनके अफेयर्स रहे हैं। इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान संजय दत्त ने कहा था कि उन्होंने एक साथ तीन महिलाओं को डेट किया था। संजय दत्त का नाम टीना मुनीम, रेखा, माधुरी दीक्षित और लीजा रे जैसी एक्ट्रेसेस के साथ नाम जुड़ चुका है। टीना मुनीम को लेकर बहुत पैशनेट थे- टीना मुनीम और संजय दत्त बचपन के दोस्त

थे। 80 के दशक में वे एक-दूसरे के करीब आए। संजय दत्त ने एक बार 'स्टारडस्ट' से बातचीत में टीना मुनीम के लिए अपनी फीलिंग्स बताई थीं। उन्होंने कहा था कि वह टीना को लेकर बहुत पैशनेट थे। वह उनकी जिंदगी में बहुत अहमियत रखती थीं। संजय दत्त की साली ने माधुरी को 'घर तोड़ने वाली' बताया था- बताया जाता है कि संजय दत्त और माधुरी

दीक्षित फिल्म 'साजन' की शूटिंग के दौरान एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। एक्टर की पहली पत्नी रही ऋचा शर्मा उन दिनों कैंसर से जूझ रही थीं और वे बीमारी के दिनों में अमेरिका अपने पेरेंट्स के पास आ गई थीं। एक तरफ संजय दत्त अपनी पहली पत्नी ऋचा से दूर थे, तो वहीं दूसरी तरफ उनकी माधुरी संग नजदीकियां बढ़ रही थीं। ऋचा शर्मा की बहन ने माधुरी पर गंभीर आरोप लगाते उन्हें 'घर तोड़ने वाली' बताया था और कहा था कि वह इंसान नहीं है क्योंकि उसने मेरी बहन का घर तोड़ा है। हालांकि जब संजय दत्त का नाम मुंबई बम ब्लास्ट केस के दौरान घर में अवैध हथियार रखने के लिए सामने आया तब माधुरी ने एक्टर से दूरी बना ली और दोनों का ब्रेकअप हो गया था।क्या संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं रेखा? कुछ साल पहले लेखक यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' का हवाला देकर संजय दत्त के साथ रेखा की शादी की बात छपी थी। दावा किया गया था कि रेखा आज भी संजय दत्त के नाम का सिंदूर लगाती हैं। यह खबर खूब सुर्खियों में रही। अमिताभ को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं- कुछ वेबसाइट में किताब का हवाला देते हुए खबर छपी थी कि जब अमिताभ रेखा से दूर चले गए थे और विनोद मेहरा से उनकी शादी टूट गई थी तो वो बहुत अकेली हो गई थीं। उसी दौरान संजय दत्त के साथ रेखा फिल्म 'जमीन आसमान' में काम कर रही थीं। दोनों एक दूसरे के करीब आए और शूटिंग खत्म होते-होते शादी कर ली। खबर के मुताबिक रेखा ने ये भी मान लिया कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को जलाने के लिए संजय दत्त से नजदीकियां बढ़ाई थीं। रेखा ने सिंदूर लगाना फैशन माना था- रेखा ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी के रिसेप्शन में मांग में सिंदूर लगाकर पहुंची थीं। तब हर किसी की नजर रेखा के सिंदूर पर ठहर गई थी। रेखा के सिंदूर को अमिताभ बच्चन से भी जोड़ा गया था, लेकिन जब चर्चा बढ़ने लगी तो रेखा ने सिंदूर पर सफाई देते हुए कहा था कि वो जहां से आती हैं, वहां सिंदूर लगाना फैशन माना जाता है। किताब के लेखक का दावा-

बहरहाल, अब बात करते हैं उस किताब के बारे में जिसको आधार बनाकर रेखा के साथ संजय दत्त के रिश्ते की चर्चा हुई। यासिर उस्मान की लिखी किताब 'रेखा द अनटोल्ड स्टोरी' 15 अगस्त 2016 को लोगों के बीच आई थी। उस किताब के बारे में दावा किया जाता है कि रेखा की जिंदगी पर लिखी गई किताबों में ये सबसे विश्वसनीय और सही है। किताब के लेखक यासिर उस्मान ने उन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, 'किसी एक वेबसाइट ने शरारत करते हुए खबर छापी, उसके बाद देश की तमाम बड़ी एंटरटेनमेंट वेबसाइट्स ने इस खबर को बिना किसी पड़ताल के छाप दिया। किताब में अफवाह का किया गया खंडन- रेखा द अनटोल्ड स्टोरी के पेज नंबर 162 पर लिखा है कि 1984 में एक दिन, पता नहीं कहां से, ये खबर उड़ी कि रेखा ने संजय दत्त से शादी कर ली है। हालांकि सच ये था कि संजय दत्त एक खराब दौर से गुजर रहे थे और रेखा उनकी मदद करने की कोशिश कर रही थीं। उस समय दोनों की साथ में फिल्म 'जमीन आसमान' भी रिलीज हो रही थी। इस फिल्म को भी इन अफवाहों से थोड़ा बहुत फायदा मिला। संजय ने बाद में इस कथित शादी का आधिकारिक रूप से खंडन कर दिया था। किताब में न ही उनके घर से भागने के बारे में कुछ लिखा है और सिंदूर शब्द का तो इस्तेमाल तक नहीं किया गया है। हालांकि, इस अफवाह का जिक्र जरूर था, जिसका खंडन किताब में किया गया था। नायक नहीं, खलनायक बन कर दर्शकों के दिलों पर राज किया- जिंदगी में तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद संजय दत्त ने बॉलीवुड में जो मुकाम हासिल किया है, वह किसी आम एक्टर के लिए आसान नहीं था। अपने दमदार अभिनय और संवाद अदायगी से संजय दत्त ने बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है। संजय दत्त ने अपने करियर में विभिन्न प्रकार के किरदारों को निभाया है, लेकिन उनके खलनायक और गैंगस्टर वाले किरदारों को विशेष रूप से सराहा गया है। उनकी संवाद अदायगी की शैली ने उन्हें एक लोकप्रिय और यादगार अभिनेता बना दिया है।

रेस्टोरेंट से निकलते वक्त सामंथा और राज स्पॉट हुए,पैपराजी को देख एक्ट्रेस के रूमर्ड बॉयफ्रेंड नाराज दिखे

मुंबई। रिलेशनशिप की अफवाहों के बीच एक्ट्रेस सामंथा और फिल्ममेकर राज बुधवार शाम मुंबई के एक रेस्टोरेंट में स्पॉट हुए। दोनों को रेस्टोरेंट से साथ

निकलते हुए देखा गया और एक ही कार से रवाना हुए। इस दौरान सामंथा स्ट्राइप्ड ड्रेस में काफी कूल और रिलैक्स दिखीं। वहीं, राज ने पैपराजी को देखकर थोड़ी नाराजगी जताई और रूड नजर आए।दोनों के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बातें हो रही हैं। हालांकि, अब तक इनमें से किसी ने भी रिश्ते को कंफर्म नहीं किया है और ना ही इनकार किया है। इससे पहले 8 जुलाई को सामंथा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिका के डेट्रॉइट ट्रिप की तस्वीरें शेयर की थीं, जिनमें राज भी नजर आए थे। उसी समय से अटकलें और तेज हो गई थीं।वहीं, इससे पहले भी मई में सामंथा ने राज के साथ अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिनमें वो राज के कंधे पर सिर टिकाए बैठी दिखीं। जिसके बाद राज की पत्नी श्यामली दे ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट शेयर किया था।श्यामली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, 'मैं उन सभी को आशीर्वाद और प्यार भेजती हूं, जो आज मुझे सोचते हैं, देखते हैं, सुनते हैं, मेरे बारे में पढ़ते या लिखते हैं।'हालांकि, उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन यह पोस्ट उसी दिन आई थी जब सामंथा ने राज के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की थीं। इसके बाद से यह अटकलें तेज हो गईं थीं कि श्यामली ने यह पोस्ट इशारों में ही सही, पर मौजूदा हालात को लेकर ही की थी। श्यामली पेशे से साइकॉलोजी में ग्रेजुएट हैं और उन्होंने राकेश ओमप्रकाश मेहरा और विशाल भारद्वाज जैसे बड़े डायरेक्टर्स के साथ असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया है। वो 'रंग दे बसंती', 'ओमकारा' जैसी फिल्मों में स्क्रिप्ट राइटर और क्रिएटिव कंसल्टेंट भी रह चुकी हैं। दोनों की एक बेटी भी है।बता दें कि सामंथा ने अपनी डेब्यू प्रोडक्शन फिल्म 'शुभम' के प्रमोशन के दौरान यह तस्वीरें शेयर की थीं। उन्होंने लिखा था, 'शुभम के साथ हमारा सफर शुरू हो चुका है। दिल, जुनून और नई कहानियों पर भरोसे के साथ।' तिरुपति में साथ दिखे थे राज-सामंथा राज और सामंथा की नजदीकियों की खबरें तब से सामने आ रही हैं, जब दोनों को तिरुपति मंदिर में साथ देखा गया था।

सलमान खान ने गले में अड़ा दी थी असली चाकू,गले से बहने लगा था खून, अशोक सराफ ने बताया जागृति फिल्म की शूटिंग का डरावना अनुभव

मुंबई। बॉलीवुड के सीनियर एक्टर अशोक सराफ ने हाल ही में फिल्म जागृति की शूटिंग का एक डरावना किस्सा शेयर किया है, जहां उनके साथ एक बड़ा हादसा हो सकता है। एक्टर ने बताया है कि सलमान खान की गलती के चलते उनके गले में चाकू लग गया था। हाल ही में रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में अशोक सराफ ने कहा है कि स्क्रिप्ट के मुताबिक सलमान को

उन्हें पकड़ना था और उनके गले में चाकू अड़ाना था। सलमान ने चाकू की नोंक उनके गले में रख दी, जबकि चाकू असली थी। सलमान के डायलॉग बोलते ही अशोक ने खुद को छुड़वाने की कोशिश की, जिससे सलमान ने चाकू पर और जोर लगा दिया। जिससे उनके गले में कट लग गया।इसके बाद अशोक सराफ ने सलमान से कहा कि उनका गला कट रहा है। ये सुनकर सलमान ने कहा, मैं क्या करूं। इस पर सीनियर एक्टर ने उन्हें चाकू उल्टा पकड़ने की सलाह दी थी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। सलमान ने उनके गले पर चाकू अड़ाई और चलाना शुरू कर दिया। जैसे ही एक्टर ने उन्हें छोड़ा तो पता चला कि उनके गले में कट लगा चुका था। अशोक सराफ ने बातचीत में कहा है, सोचिए अगर गले की नस कट जाती तो?एक्टर ने बताया है कि वो इंसिडेंट को कभी नहीं भूलेंगे। बता दें कि अशोक सराफ 1969 से हिंदी और मराठी सिनेमा का हिस्सा हैं। एक्टर घर घर की कहानी, बड़े घर की बेटी, जागृति, करण अर्जुन, गुप्त, बंधन, प्यार किया तो डरना क्या, यस बॉस, जोरू का गुलाम, क्या दिल ने कहा और सिंघम जैसी कई दर्जनों फिल्मों का हिस्सा रह चुके हैं। अशोक सराफ को पॉपुलर टीवी शो हम पांच में अशोक माथुर का रोल निभाने पर काफी पॉपुलैरिटी मिली थी। इसके अलावा वो टीवी शो प्रोफेसर प्यारेलाल में भी नजर आ चुके हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज से
प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।